राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

रेड आउटफिट में सांसद...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 02 दिसंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 342 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

जयपुर में नड्डा ने की 'जन आक्रोश यात्रा' की शुरुआत

बोले: जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम करती है कांग्रेस

जयपुर। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज राजस्थान पहुंचे हैं। जयपुर में उन्होंने जन आक्रोश यात्रा की शुरुआत की है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की राज्य सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। जेपी नड्डा ने कहा कि जन आक्रोश यात्रा के तहत 2 करोड़ लोगों से संपर्क किया जाएगा और भाजपा की नीतियों को उन तक पहुँचाया जाएगा। मैं इस यात्रा के लिए राजस्थान भाजपा की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कोरोना के बाद से, जब चीन लड़खड़ा रहा है, अमेरिका ठीक से खड़ा नहीं हो पा रहा है, यूरोप की हालत सही नहीं है... ऐसे हालातों में भी भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। 'जन आक्रोश यात्रा' का उद्देश्य राज्य सरकार को उसकी चौथी वर्षगांठ पर घेरना है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान की भूमि त्याग और तपस्या, शौर्य और बलिदान के लिए पहचानी

जाने वाली भूमि है। मैं इस भूमि को नमन करता हूं और आशा करता हूं कि जन आक्रोश यात्रा को राजस्थान की जनता का पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कोई नेता भामाशाह स्वास्थ्य योजना का नाम बदलकर चिरंजीवी योजना कर दे तो इसको किताब बदलना नहीं जिल्द बदलना कहते हैं। अन्नपूर्णा योजना को बदल कर इंदिरा रसोई जब तक नहीं किया तब तक इनको चौन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भारत आज विकास की नई छलांग लगा रहा है और राजस्थान के विकास में भी केंद्र सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। भाजपा अद्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि अशोक गहलोत सरकार ने राजस्थान का विकास ना हो, इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी है। कांग्रेस जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम करती है। उन्होंने कहा कि अगर आप चाहते हो कि आपकी बहनें सुरक्षित रहें, यहां रोजगार के अवसर बनें... अगर आप चाहते हैं कि राजस्थान में भी पेट्रोल–डीजल के दाम घटें, बिजली के दाम घटें तो इस सरकार को गद्दी से हटाना ही होगा। राजस्थान में सांप्रदायिक तनाव भी बढ़ा है।

गुजरात में योगी का धुंआधार प्रचार, विरोधियों पर करारा प्रहार

कहा– आप ने हमेशा किया देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़

अहमदाबाद। गुजरात में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को पहले चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। राज्य की 89 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज गुजरात में जनसभा को संबोधित किया। पहले चरण के वोटिंग के बारे में बोलेते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज एक अहम दिन है। आज पहले चरण के मतदान के लिए मतदान हो रहा है और आज ही गुजरात के गौरव (गौरव) पीएम मोदी जी–20 देशों के प्रमुख बन गए हैं। यह वैश्विक स्तर पर पीएम मोदी के नेतृत्व और

दर्शाता है। गुजरात के बायड विधान सभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथकांग्रेस हमेशा सरदार वल्लभ भाई पटेल और बाबा साहब अंबेडकर का विरोध करती रही। कांग्रेस संकट के समय जनता के साथ खड़ी नहीं रह सकती। आम आदमी पार्टी (आप) हमेशा देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करती है। बता दें कि गुजरात के रण में योगी आदित्यनाथ फुल प्रचार मोड में आ गए हैं और उनकी कई रैलियां आज होनी हैं। शाम चार बजे अहमदाबाद के धंधुका वध्धिानसभा क्षेत्र में योगी आदित्यनाथ युवाओं में जोश भरेंगे और शाम को साढ़े पांच बजे से सीएम योगी वाघोडघध्ध्या वध्धिानसभा क्षेत्र में जीत के लघ्धि हुंकार भरेंगे। मुख्ध्यमंत्री योगी आदघ्ध्यनाथ ने गुजरात दौरे की ट्वीट कर जानकारी दी। पीएम मोदी के बाद सीएम योगी की गुजरात वध्धिानसभा चुनाव प्रचार के लघ्धि सबसे अधघ्धि मांग है।

Shraddha Murder Case के आरोपी आफताब ने कबूल किया गुनाह, कपड़ों और मोबाइल की भी दी जानकारी

नई दिल्ली। अपनी लिव–इन पार्टनर श्रद्धा वालकर की हत्या के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला का नार्को टेस्ट सफल रहा है। दिल्ली को रोहिणी स्थित अंबेडकर अस्पताल में आफताब का नार्को टेस्ट लगभग दो घंटे तक चला जिसमें उसने कबूल किया है उसने ही श्रद्धा की हत्या की है। ये जानकारी FSL के असिस्टेंट डायरेक्टर संजीव गुप्ता ने मीडिया को दी है। आफताब ने नार्को टेस्ट में ये भी कबूल किया है कि उसने हत्या के बाद श्रद्धा के कपड़ों और उसका मोबाइल कहां ठिकाने लगाया था। पुलिस को जिन जिन सवालों के जवाब नहीं मिल रहे थे उन सभी सवालों का जवाब आफताब ने दिया है। आफताब ने नार्को टेस्ट की जांच में बताया कि उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े करने में जिस हथियार का इस्तेमाल किया था उसे कहां ठिकाने लगाया है। बता दें कि नार्को टेस्ट की रिपोर्ट को कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता है मगर इस जांच में सामने आए सुरागों की

मदद से पुलिस की टीम सबूत खोज सकती है। आफताब ने नार्को टेस्ट के दौरान जिन जगहों के बारे में जानकारी दी है अगर पुलिस उन जगहों पर जाकर श्रद्धा के कपड़े और मोबाइल को बरामद करती है तो ये चीजें श्रद्धा हत्याकांड मामल में अहम सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश की जा सकेंगी। कोर्ट में इ सबूतों को पेश करना दिल्ली पुलिस की टीम के लिए बड़ी सफलता होगी। जानकारी के मुताबिक आफताब पूनावाला को एक दिसंबर की सुबह आठ बजकर 40 मिनट पर रोहिणी के ड़ॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में लाया गया था। इसी अस्पताल में सात डॉक्टरों की टीम ने आफताब का नार्को टेस्ट किया है। आफताब की जांच सुबह 10 बजे शुरू हुई थी। जांच के बाद भी आफताब को चिकित्सीय निगरानी में रखा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नार्को जांच से पहले पूनावाला की रक्तचाप, नाड़ी की गति, शरीर का तापमान और दिल की धड़कन की जांच समेत अन्य सामान्य जांच की गयी। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के तहत, पूनावाला और उसकी जांच कर रही नार्को टीम की पूरी जानकारी के साथ एक सहमति फॉर्म उसके समक्ष पढ़ा गया। फॉर्म पर उसके हस्ताक्षर करने के बाद नार्को जांच की गयी।

प्रकाश सिंह बादल को मिली पेंशन का रिकॉर्ड पेश करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई का सामना करें मान: सुखबीर

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने बुधवार को कहा कि पंजाब के मुख्ध्यमंत्री भगवंत मान को पूर्व मुख्ध्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पर पेंशन लेने के संबंध में लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए या तो सार्वजनिक तौर पर सबूत पेश करना चाहिए या कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मान आम आदमी पार्टी (आप) के इशारे पर मानहानिकारक अभियान चला रहे हैं। उन्होंने आप पर गुजरात समेत उन कई राज्यों में करोड़ों रुपए खर्च करने का आरोप लगाया, जहां चुनाव होने वाले हैं। खबर है कि गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के लिए चुनाव प्रचार करने के

दौरान मान ने कहा था कि प्रकाश सिंह बादल पूर्व विधायक के तौर पर कई पेंशन प्राप्त कर रहे थे और उनकी सरकार ने नया कानून लाकर इस परिपाटी को रोका। उल्लेखनीय है कि पंजाब में अब नए कानून के तहत पूर्व विधायक को केवल एक कार्यकाल की पेंशन प्राप्त होगी और प्रत्येक कार्यकाल के लिए अलग–अगल मिलने वाली पेंशन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। गुजरात में विध ानसभा चुनाव के लिए एक दिसंबर और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा। इस मुकाबले में 'आप' और कांग्रेस भाजपा को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रही हैं। शिअद प्रमुख ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''भगवंत मान को यह लग सकता है कि वह झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर सकते हैं, लेकिन हम उन्हें उनके शब्दों के लिए जवाबदेह बनाएंगे। अब, उन्हें अपने दावों को सही साबित करने के लिए या तो सार्वजनिक रूप से रिकॉर्ड पेश करने होंगे या अपने बयानों के लिए माफी मांगनी होगी। यदि वह इनमें से कुछ भी नहीं करते हैं, तो हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।'' सुखबीर बादल ने आरोप लगाया कि मान ने प्रकाश सिंह बादल पर पेंशन के रूप में लाखों रुपए लेने का झूठा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सच्चाई तो यह है कि पांच बार मुख्ध्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल ने इस साल पंजाब विध ानसभा चुनाव में अपनी हार के तत्काल बाद 'प्रोटेम स्पीकर' (अस्थायी अध्यक्ष) को पत्र लिखकर उनसे कहा था कि 10 बार विधायक रहने के लिए उन्हें मिलने वाली पेंशन देना बंद कर दिया जाए। सुखबीर सिंह बादल ने कहा, ''प्रकाश सिंह बादल ने अनुरोध किया था कि इस पैसे का इस्तेमाल जन कल्याण, खासकर बालिकाओं की शिक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं : टीआरएस नेता कविता

हैदराबाद। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की विधान परिषद की सदस्य के. कविता ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी केंद्रीय एजेंसियों के निशाने पर आयी वह और उनकी पार्टी के

नेता किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। वह उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रही थी कि ईडी ने एक रिमांड रिपोर्ट में दिल्ली शराब घोटाला मामले में आरोपी के तौर पर उनके नाम का उल्लेख किया है। कविता ने कहा, ''हम किसी भी तरह की जांच का सामना करेंगे। अगर एजेंसियां आती हैं और हमसे सवाल करती हैं तो हम निश्चित तौर पर जवाब देंगे। लेकिन मीडिया को चुनिंदा सूचनाएं लीक करके नेताओं की छवि बिगाड़ना... लोग इसे खारिज कर देंगे।''

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति का आह्वान किया

पटना। बिहार के मुख्ध्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति का आह्वान करते हुए कहा कि कुछ राज्य अन्य की तुलना में ऊंची कीमत पर बिजली खरीदते हैं। कुमार ने बुधवार को 15,871 करोड़ रुपये मूल्य की बिजली विभाग की परियोजनाओं का अनावरण करते हुए कहा कि बिहार को अन्य राज्यों की तुलना में केंद्र सरकार के बिजली संयंत्रों से ऊंची दर पर बिजली मिलती है। कुमार ने कहा, ''सारे राज्य देश के समग्र विकास में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। मैंने पहले भी कई बार कहा था कि 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति होनी चाहिए। आखिर

कुछ राज्य ऊंची कीमत पर बिजली क्यों खरीद रहे हैं? देश भर में एकीकृत बिजली दर होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य में स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाने का फैसला किया है। कुछ राज्यों में ऐसी योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर मुख्ध्यमंत्री ने कहा, ''हम अपने बिजली उपभोक्ताओं को सब्सिडी देते हैं। हम बहुत अधिक दर पर बिजली खरीदते हैं और अपने उपभोक्ताओं को बहुत कम दर पर उपलब्ध ा कराते हैं। मुझे उन लोगों से कोई दिक्कत नहीं है जो मुफ्त बिजली देने की बात करते हैं।''

क्या कम होगी नवजोत सिंह सिद्धू की साल भर की सजा? इस तारीख को आ सकते हैं बाहर

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने रोड रेज मामले में अपनी साल भर की सजा की आधी अवधि पूरी कर ली है। उन्हें 20 मई, 2022 को पटियाला की एक अदालत के समक्ष दोषी ठहराया गया और आत्मसमर्पण कर दिया । सजा में सामान्य कटौती के अलावा सिद्धू की सजा में संभावित कमी के कयास राजनीतिक हलकों में व्याप्त हैं। क्रिकेटर से राजनेता बने जेल

में जहां वह क्लर्क के रूप में काम करते हैं, उनके आचरण के बारे में एक सकारात्मक रिपोर्ट जेल अधिकारियों की ओर से दी गई है। सजा पूरी किए बिना सिद्धू इस तरह जेल से बाहर आ सकते है। जबकि जेल अधिकारी और पंजाब सरकार इस मुद्दे पर चुप हैं, सिद्धू का खेमा उम्मीद कर रहा है कि पंजाब के मुख्ध्यमंत्री भगवंत मान के साथ उनकी शर्तों के अलावा उनका अच्छा आचरण उनकी जल्द रिहाई का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। पंजाब जेल मैनुअल के मुताबिक, हर कैदी को स्वतरू ही हर महीने चार दिन की सजा कम हो जाती है।

रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा ने किया स्पष्ट, परिवार में कोई समस्या नहीं, बहन ने भी कही यह बात

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव में आज पहले चरण के लिए मतदान हो रहा है। पहले चरण में जामनगर नॉर्थ सीट पर भी वोट डाले जा रहे हैं। जामनगर नार्थ सीट से भाजपा ने रिवाबा जडेजा को अपना उम्मीदवार बनाया है। आपको बता दें कि रिवाबा जडेजा जाने–माने क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी हैं। हालांकि, इस सीट पर रविंद्र जडेजा की बहन कांग्रेस के साथ खड़ी हैं। इससे माना जा रहा है कि परिवार में कहीं ना कहीं सब कुछ ठीक नहीं है। इसी को लेकर रीवाबा जडेजा ने सफाई दी है। उन्होंने साफ करके कहा है कि परिवार में सब कुछ अच्छा है। एक परिवार में विभिन्न विचारधारा के लोग

होते हैं। अपने बयान में रिवाबा ने कहा कि मुझे जामनगर के लोगों पर भरोसा है, हम समग्र विकास पर ध्यान देंगे और इस बार भी भाजपा अच्छे अंतर से जीतेगी। कांग्रेस के दिग्गज नेता हरि सिंह सोलंकी की रिश्तेदार, रिवाबा जडेजा ज्यादातर कांग्रेस समर्थकों के परिवार में शादी करने के तीन साल बाद 2019 में भाजपा में शामिल हो गईं। इस हफ्ते की शुरुआत में, उनके ससुर का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील की थी। उनके ससुर अनिरुद्ध सिंह जडेजा ने कहा कि मैं कांग्रेस के साथ हूं। पार्टी का मामला पारिवारिक मामले से अलग है। हमें अपनी पार्टी के साथ रहना चाहिए। मैं उनके साथ वर्षों से हूं। रविंद्र जडेजा के पिता ने यह भी कहा कि वह जानते हैं कि यह सिर्फ पार्टी का मामला है परिवार के भीतर कोई समस्या नहीं है। जडेजा की बहन नैना जडेजा ने कहा कि उनके भाई के लिए उनका प्यार हमेशा पहले ही जैसा है।

सिंधी संतों ने सिंधी अध्ययन केंद्र देख सराहा

सिंधी विषय से आई.ए.एस. बन करें देश की सेवा

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में भारत सरकार के नियंत्रणाधीन राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद् के वित्तपोषण से संचालित अमर शहीद संत कँवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र को देश के विभिन्न भागों से आए सिंधी संतों ने आज देखा और यहां की गतिविधियां जानकर भूरि–भूरि प्रशंसा की। जिनमें शामिल थे प्रेमप्रकाश मण्डल, अमरापुर–जयपुर के पीठाधीश्वर स्वामी भगत प्रकाश और यहीं से संत मनोहरलाल, संत ढालूराम, संत कमल, गोंदिया महाराष्ट्र के संत लखीराम, दिल्ली के भगत दीपक, आगरा के भगत हरदासराम, खैरथल के भगत माणिक, गांधीधाम के संत कमल के अलावा भगत गोवर्धनदास, भगत दयालदास, भगत कैलाश, साईं जयकुमार, साईं महेंद्रलाल आदि।

अध्ययन केंद्र की ओर से मानद निदेशक प्रो. आर. के. सिंह और सलाहकार ज्ञानप्रकाश टेकचंदानी 'सरल' ने संतों को केंद्र की ओर से अंगवस्त्र भेंटकर उनका स्वागत किया और केंद्र की गतिविधियों को विस्तार से बताया। स्वामी भगत प्रकाश ने इस अवसर पर सिंधी विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि वे सिंधी विषय लेकर आई.ए.एस. बनें और देश की सेवा करें। उन्होंने बताया कि सिंधी भाषा तब से बोली जाती है जब से वेदों की रचना हुई है। उन्होंने दूसरी शताब्दी में भरत मुनि के लिखे नाट्यशास्त्र का संदर्भ देते हुए बताया कि वे उस समय के नाटक लेखकों को यह निर्देश देते हैं कि वे जब भी सिंधु सौवीर के दर्शकों के लिए नाटक लिखें तो वह उकारांत शब्दों का प्रयोग करें। स्वामी भगत प्रकाश ने बताया कि अपभ्रंश काल की उकार बहुला सिंधी भाषा आजतक सिंधी में प्रयोग हो रही है। स्वामी भगत प्रकाश ने सिंधी अध्ययन केंद्र के पुस्तकालय में रखी सिंधी पुस्तकों तथा सिंधु संस्कृति के प्रतीकों में गहरी रुचि दिखाई और कहा कि वे शीघ्र ही सिंधी साहित्य की अनेक प्राचीन पुस्तकें भेजकर केंद्र के पुस्तकालय को और समृद्ध करेंगे। इस मौके पर नगर के अनेक गणमान्य सिंधी नागरिक जयप्रकाश, विश्वप्रकाश, बलरामदास, अमन विक्रम, अनीता आदि उपस्थित थे।

सेक्सुअली एक्टिव किशोर व युवाओं में बढ़ रही एचआईवी फोबियाः डा. आलोक

अयोध्या। सेक्सुअली एक्टिव टीनेजर्स व नवयुवाओं में एचआईवी संक्रमित होने का भय लगातार बना रहता है। परन्तु यौन क्रिया का खिंचाव भी हावी होने के कारण वे एचआईवी फोबिया व सेक्सुअल आसक्ति के द्वन्द में फंसकर बार बार अपना एचआईवी परीक्षण कराने को बाध्य हो जाते हैं।

द्वन्द भरी मनोदशा में मानसिक ऊर्जा क्षीण होने के कारण इसका दुष्प्रभाव पढ़ाई लिखाई, व्यक्तित्व विकास, व अन्य रचनात्मक व कैरियर निर्माण के क्रिया कलापों पर पड़ता है। इस मनोदशा को एचआईवी फोबिया कहा जाता है। एचआईवी फोबिया से ग्रसित टीनेजर व यूथ में तनाव,हताशा व एचआईवी के लक्षणों को इण्टरनेट पर सर्च करने की विवशता भी दिखायी पड़ती है। एचआईवी फोबिया जनित अवसाद व तनाव से छद्यम् शकून् पाने के लिए ये लोग विभिन्न अन्य नशों का भी सहारा लेने लगते हैं। विश्व एड्स दिवस की पूर्व संध्या पर जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यशाला में किशोर व युवा मनोपरामर्शदाता डॉ आलोक मनदर्शन यह जानकारी दी।

डॉ मनदर्शन के अनुसार टीनेजर्स व युवाओं में तर्क संगत सोचने व मनोसंयम के लिए उत्तरदायी मस्तिष्क के हिस्से सेरेब्रम् का विकास धीमा तथा कामोत्तेजना व भावोत्तेजना का केन्द्र अमिगडाला ग्रन्थि की अति सक्रियता बढ़ती यौन सक्रियता के लिए जिम्मेदार है। दूसरी तरफ मनोशांत अवस्था में सेरेब्रम द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण का डर पैदा होता है, जिससे शकून पाने के लिए वे बार–बार एच0आई0वी0जांच करवाने की मनोआसक्ति से ग्रसित होकर मनोदुष्चक्र में फसते चले जाते हैं।भले ही बार बार के एच आई वी जांच की रिपोर्ट नेगेटिव ही आती रहे । स्वस्थ मनोरंजक गतिविधियों तथा खेलकूद व अन्य रचनात्मक क्रियाओं के माध्यम से अपनी मनोउत्तेजना को संतुष्ट करना चाहिए, जिससे कि उनमें आत्म संयम व मनो ऊर्जा का सकारात्मक संवर्धन हो सके, जिससे कि द्वन्द रहित मन से अपने कैरियर पर फोकस कर सके। आवश्यकता महसूस होने पर निःसंकोच मन से मनो परामरामर्श अवश्य लें ।

पिता कोटेदार, पुत्र प्रधान प्रशासन भी इन्ही पर मेहरबान

रूदौली–अयोध्या। रूदौली तहसील अन्तर्गत मवई विकास खण्ड के बाबा बाजार थाना क्षेत्र के एक ग्राम सभा मे एक तरफ पुत्र ग्राम सभा का ग्राम प्रधान है तो वहीं दूसरी तरफ प्रधान जी के पिता जी उसी गांव के कोटेदार हैं, और सरकार द्वारा जारी आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। मामला सैदपुर चौकी क्षेत्र के सैमसी गांव का है जहां पर महादेव गुप्ता ग्राम सभा के (उचित दर विक्रेता) कोटेदार हैं तो वहीं उनके पुत्र अशोक कुमार गुप्ता इसी ग्राम सभा के ग्राम प्रधान हैं और हैरत की बात तो यह हैं की ये दोनों पिता पुत्र एक ही छत के नीचे रहते हैं। ग्रामीणों की माने तो मामले की शिकायत भी कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से की गई लेकिन अधिकारी भी इन्ही पिता पुत्र पर मेहरबान हैं और अभी तक किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही इनपर नही की गई है। जबकि हाल में ऐसा ही एक मामला जखौली ग्राम पंचायत का सामने आया था जहां शिकायत के बाद उचित दर विक्रेता ने स्वेछा से अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस संबंध ा में पूर्ति निरीक्षक रूदौली संजय कुमार चौधरी ने बताया कि मामला संज्ञान में नही था जानकारी मिली है जांच करवाकर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

बिजली कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी रहा जारी

बिजली कर्मियों ने कार्य छोड़कर दिनभर किया विरोध

अयोध्या। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के आह्वान पर ऊर्जा निगमों में 29 नवम्बर से प्रारम्भ अनिश्चिकालीन कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदेश भर में हजारों बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों और अभियन्ताओं ने काम बन्द कर दिन भर विरोध प्रदर्शन किये और ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबन्धन के रवैये की तीव्र भर्त्सना की। आम जनता को तकलीफ न हो इस दृष्टि से कार्य बहिष्कार के चालू चरण में बिजली उत्पादन घरों, पारेषण विद्युत उपकेन्द्रों, सिस्टम ऑपरेशन और वितरण विद्युत उपकेन्द्रों की पाली में तैनात बिजली कर्मियों को कार्य बहिष्कार आन्दोलन से फिलहाल अलग रखा गया है। त्र विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के प्रमुख पदाधिकारियों एस पी सिंह, रमा शंकर मौर्य,सुजीत चौधरी , दीन दयाल शर्मा, अंकुर यादव, दिलीप कनौजिया, विकास आर्य, लालचंद वर्मा , रघुवंश मिश्रा, अनवरूल हक, बबलू सिंह ने आज यहां जारी बयान में ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबन्धन पर हठवादी रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि चेयरमैन बिजली कर्मियों की समस्याओं के बारे में सही तथ्य न बताकर सरकार को गुमराह कर रहे हैं जिससे ऊर्जा निगमों में कार्य का वातावरण पूरी तरह समाप्त हो गया है और टकराव बढ़ रहा है। उन्होंने पुनः प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा से प्रभावी हस्तक्षेप करने की अपील की है जिससे ऊर्जा निगमो में कार्य का वातावरण बने और बिजली कर्मियों की न्यायोचित समस्याओं का समाधान हो सके। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शान्तिपूर्ण कार्य बहिष्कार आन्दोलन के कारण किसी भी बिजली कर्मी का कोई उत्पीड़न किया गया तो इसके गम्भीर परिणाम होंगे और सभी ऊर्जा निगमों के तमाम बिजली कर्मी उसी समय हड़ताल पर जाने हेतु बाध्य होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबन्धन और चेयरमैन की होगी। बिजली कर्मियों की मुख्य मांग है कि ऊर्जा निगमों में चेयरमैन व प्रबन्ध निदेशक के पदों पर समुचित चयन के बाद ही नियुक्ति की जाये, बिजली कर्मियों को पूर्व की तरह 09 वर्ष, 14 वर्ष एवं 19 वर्ष की सेवा के उपरान्त पदोन्नति पद का समयबद्ध वेतनमान दिया जाये, बिजली कर्मियों को कैशलेस इजाल की सुविधा दी जाये, ट्रांसफॉर्मर वर्कशॉप का निजीकरण एवं पारेषण विद्युत उपकेन्द्रों के परिचालन एवं अनुरक्षण के आउटसोर्सिंग के आदेश निरस्त किये जाये, समस्त कार्मिकों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू की जाये, बिजली कर्मियों की सुरक्षा हेतु प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाये, बिजली निगमों का एकीकरण कर यूपीएसईबी लि का गठन किया जाये, भत्तों का पुनरीक्षण किया जाये एवं उत्पादन प्रोत्साहन भत्ता प्रदान किया जाये, बिजली कर्मियों को मिल रही रियायती बिजली की सुविधा यथावत रखी जाये, बिजली कर्मियोंध्संविदा कर्मियों को बोनस का भुगतान किया जाये, संविदा कर्मियों को नियमित किया जाये, बिजली कर्मियों की वेतन विसंगतियां दूर की जायें।

अवध विवि में विज्ञान संचार पर कार्यशाला आज

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, अमर शहीद संत कॅवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केन्द्र तथा जागरण इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट एण्ड मॉस कम्युनिकेशन, कानपुर के सहयोग से गुरुवार को संत कबीर सभागार में विज्ञान प्रसार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 'विज्ञान संचार भारतीय परिदृश्य एवं भविष्य' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला के मुख्य अतिथि विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली के निदेशक डॉ0 नकुल पाराशर होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवध ा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में जागरण मैनेजमेंट ऑफ इंस्टीट्यूट कानपुर के निदेशक डॉ0 उपेंद्र पांडे, विज्ञान प्रसार ओटीटी चौनल के प्रभारी कपिल त्रिपाठी व वरिष्ठ वैज्ञानिक व हेड साइंस फिल्म फेस्टिवल विज्ञान प्रसार के डॉ0 निमिष कपूर उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि 01 दिसम्बर को प्रातः 11:00 बजे से विज्ञान संचार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होगा। इसमें डीएसटी के वैज्ञानिकों द्वारा मॉस मीडिया के लिए विज्ञान संचारको को तैयार करना है। जिससे समाज को विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवाचार को सरल व सहज ढंग से संचार माध्यमों द्वारा पहुंचाया जा सके।

मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे केस्को कर्मियों ने शुरु किया अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार,धरने पर बैठे

कानपुर।अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे केस्को कर्मी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पर चले गए। केस्को कर्मी परेड स्थित बिजली घर के गेट पर धरने पर बैठ गए। मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे। कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, केस्को के प्रवक्ता विजय त्रिपाठी के नेतृत्व में बिजली कर्मी बिजली घर पहुंचे। वहां कर्मचारी मेन गेट पर धरना देते हुए बैठ गए और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांगें न मानी गई तो सड़क पर उतरकर आर–पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इसी के तहत आज से कर्मचारी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पर जा रहे हैं। कर्मचारी नेता विजय त्रिपाठी ने बताया कि संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए। उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली और तेलंगाना की तरह यहां भी संविदा कर्मियों को नियमित माना जाए। इसके अलावा लंबित पड़ी वेतन विसंगतियां दूर की जाए। एक ही पद पर काम करने वालों को अलग–अलग वेतन दिया जा रहा है। इस प्रथा को खत्म किया जाए। चेयरमैन का तानाशाही रवैया बर्दाश्त नहीं: उन्होंने कहा कि चेयरमैन नियम–कानून ताक पर रखकर तानाशाही रवैया अपनाते हुए कार्य कराते हैं। 24–24 घंटे काम कराया जाता है। साप्ताहिक अवकाश पर भी बुलाया जाता है। इस पर रोक लगाई जाए। बिजली विभाग से संबंधित कई कंपनियों में अलग–अलग अफसर तैनात हैं। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। इनका एकीकरण कर एक कंपनी बनाई जाए और कमान एक ही अधिकारी को मिले जिससे भ्रष्टाचार समाप्त हो।

अंतिम दिन भी नहीं हुआ किसान दिवस

अयोध्या। किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक माह के तीसरे .जिला अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाला किसान दिवस उपनिदेशक कृषि की सोची समझी साजिश के कारण ,किसानों व भारतीय किसान यूनियन नेताओं के मांग तथा आंदोलन करने के बाद भी विगत 2 माह से नहीं हो सका। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की समस्याओं के समाध ाान हेतु प्रत्येक माह के तीसरे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजन करने हेतु शासनादेश जारी किए गए हैं फिर भी जनपद अयोध्या में उपनिदेशक कृषि की सोची समझी साजिश का परिणाम है कि गत 2 माह से किसान दिवस का आयोजन नहीं हो पाया है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि कृषि विभाग जो पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है जिसको छुपाने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों तथा किसान दिवस के नोडल अधिकारी उपनिदेशक कृषि द्वारा नहीं किया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारी इस सोच के साथ किसान दिवस का आयोजन नहीं करना चाहते हैं कि किसान दिवस के आयोजन से कृषि विभाग की तमाम कमियां, भ्रष्टाचार उजागर होता है । घनश्याम वर्मा ने कहा कि गत खरीफ फसल की बीज की सब्सिडी किसानों को नहीं मिला है, कृषि यंत्रों में सब्सिडी का लाभ उन्हीं किसानों को दिया जाता है जो कमीशन देते हैं, किसान मेला की निविदा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है और कम दाम पर बोली लगाने वाले को टेंडर ना देकर अधिक दाम पर बोली लगाने वाले को टेंडर दिया गया है। माह सितंबर में किसान दिवस का आयोजन अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ था जिसमें यह भी तय किया गया था कि 5 अक्टूबर तक कृषि विभाग से संबंधित विभागों द्वारा किसान कल्याणकारी योजनाओं की एक बुकलेट तैयार कर दी जाएगी ।बुकलेट तैयार करने की बात तो दूर रही, किसान दिवस का आयोजन ही बंद कर दिया गया है । गत 16 नवंबर व 21 नवंबर को किसान दिवस आयोजन करने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन द्वारा आंदोलन किया गया था जिसमें अधिकारियों द्वारा आश्वस्त किया गया था कि निश्चित रूप से माह नवंबर में किसान दिवस का आयोजन किया जाएगा और सभी किसानों को सूचित किया जाएगा परंतु माह के अंतिम दिन 30 नवंबर तक भी किसान दिवस का आयोजन नहीं हो पाया जिससे यह स्पष्ट होता है कि जिला अधि ाकारी सहित कृषि विभाग के अधि ाकारी किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं करना चाहते हैं। कृ षि विभाग के अधिकारियों की कृपा पर जिले में नकली खाद, दवाएं बनाई व बेची जा रही हैं काफी शिकायत के बाद कुछ नकली खाद पकड़ी गई हैं लेकिन अभी भी बड़े पैमाने पर नकली खाद बनाई व बेची जा रही हैं। खाद भी निध ारित दाम से अधिक दामों पर बेची जा रही हैं। घनश्याम वर्मा ने कहा कि इसकी शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी,व कृषि उत्पादन आयुक्त से की जाएगी।

अविरल और स्वच्छ बनाना ही गंगा संवाद पद यात्रा का मकसद

कानपुर। गंगा संवाद पदयात्रा' 28 नवंबर को कई शहरों में घूमते हुए कानपुर आई थी। दो दिन बाद उसका बिठूर में समापन हो गया है। बता दें कि विचारक एवं चिंतक केएन गोविंदाचार्य ने 16 अक्टूबर 2022 को नरौरा, बुलंदशहर से इस यात्रा की शुरुआत की थी। इसका मकसद गंगा को अविरल और स्वच्छ बनाने पर जोर देना है। जिसके लिए गोविंदाचार्य लगातार प्रयास कर रहे हैं। . बिठूर के नाना राव पार्क में गोविंदाचार्य ने स्वयंसेवी संस्थाओं और समाज सेवियों के साथ संवाद किया। इसी के साथ गंगा संवाद यात्रा का समापन हो गया।

विश्व एड्स दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने रखे अपने विचार प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी व राष्ट्रीय योजना के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदानकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर एवं माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके हुआ। प्रतियोगिता में विश्व एड्स दिवस 2022 की थीम समानता विषय पर प्रतिभागियों ने अपने अपने विचार प्रकट किए। निर्णायक डॉ दिनेश मौर्य, डॉ अनामिका सिंह व डॉ अभयनाथ ठाकुर ने तथ्यों व प्रदर्शन के आधार पर बीए 3तक के देवेश कुमार को प्रथम,बीए 3तक के अजय चतुर्वेदी को द्वितीय व बीए 3तक की अंशिका पाण्डेय को तृतीय पुरस्कार के लिए चुना। कार्यक्रम की अध यक्षता करते हुए प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि विश्व एड्स दिवस पर भारत जैसे देश में आगे समर्थन की आवश्यकता है। भारतीय संस्कृति में रहने वाला प्रत्येक नागरिक है सोचना होगा कि आखिर किन कारणों से हमें एड्स की चर्चाओं पर चर्चा करनी पड़ रही है। अब समाज में विश्वास और एक दूसरे के लिए संबंधों के जीने का ताना–बाना खत्म हो रहा है और इस खात्मे के साथ–साथ व्यक्तिगत जीवन की निजता गोपनीयता जैसे शब्दों ने हमें जिस ओर ध ाकेला वह एड्स बनकर हमारे सामने आया।मुख्य अतिथि जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ सजीवन लाल ने छात्र–छात्राओं को एड्स के बारे में विधिवत जानकारी देते हुए उनके लक्षणों व बचाव के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के नोडल अधिकारी डॉ राजीव रंजन ने कहा कि एड्स पीड़ितों से समानता का भाव रखना ही मानवीयता है। संविधान में वर्णित प्रस्तावना के अनुसार सामाजिक आर्थिक व राजनीतिक न्याय की उस दिशा में ले जाना है जहाँ पर प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ हो और यह मूल अधिकार स्थापित करने में वह सक्षम हो। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ रमेश शुक्ल ने व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ राम रहीश ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ आशीष कुमार लाल व डॉ आलोक शुक्ल ने बैज लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सह संस्कृतिक निदेशक लेफ्टिनेंट डॉ देवेन्द्र कुमार चौहान ने किया। इस अवसर पर डॉ राहुल कुमार, डॉक्टर राहुल कुमार यादव, डॉक्टर कृतिका तिवारी,डॉक्टर श्रवण कुमार, विपिन तिवारी, अजय श्रीवास्तव, सौम्या शुक्ला, राशि सिंह आदि उपस्थित रहे।

नीति सैनी मिस व प्रांजल सिंह बने मिस्टर फ्रेशर

मिल्कीपुर–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पशुपालन महाविद्यालय प्रेक्षागृह में छात्र–छात्राओं ने जमकर धमाल मचाया। मौका था पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्रों की फ्रेशर पार्टी का। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह भी फ्रेशर पार्टी का हिस्सा बने। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने कहा कि निरंतर अनुशासन में रहकर छात्र–छात्राओं को अपनी प्रतिभा का विकास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के होने से बच्चों की प्रतिभाएं निखर कर सामने आती है। कार्यक्रम के दौरान प्रांजल सिंह मिस्टर फ्रेशर व नीति सैनी मिस फ्रेशर चुनी गई। वहीं दूसरी तरफ छात्रों में मनीष सिंह व छात्राओं में स्वास्तिक आर्या को बेस्ट परफॉर्मर चुना गया। बीवीएससी द्वितीय वर्ष के छात्रों ने प्रथम वर्ष के छात्र छात्राओं को फ्रेशर पार्टी दिया।कार्यक्रम से पूर्व कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह व उनकी धर्मपत्नी मीना सिंह ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ डी. नियोगी की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक कुलपति के सचिव डॉ जसवंत सिंह व डॉ पंकज चौधरी रहे। इस मौके पर कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक व शिक्षक, छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

भाजपा से उम्मीदवारी के लिए चलाया पोस्टकार्ड अभियान

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी से निकाय चुनाव में अयोध्या महानगर से भाजपा नेता शरद पाठक बाबा को मेयर पद का उम्मीदवार बनाए जाने के लिए पोस्टकार्ड अभियान चलाया गया है। यह अभियान सिंधी समाज के महंत गणेश राय दास की अगुवाई में चलाया जा रहा है। श्री दास की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार श्री पाठक को प्रत्याशी बनाए जाने के लिए 51 हजार पोस्ट कार्ड के माध्यम से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की जाएगी। इसे लेकर रामनगर में समर्थन कैंप लगाया गया, जिसमें शरद पाठक बाबा का सिंधी समाज के लोगों ने स्वागत किया। आयोजक ने बताया कि लोगों ने शरद पाठक बाबा के समर्थन में पोस्टकार्ड भरे। जतिन राजपाल, उज्जवल सहता, मनीष रूपानी, संजय बत्रा, गोविंद राय वादानी, गौरव ,संजय संहिता, तुलसीदास संगठानी आदि रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन में पेंटिग निबंध प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिए गए प्रमाण पत्र

राम सूर्यमणि महाविद्यालय महुआ खुर्द सिद्धार्थनगर में हुआ कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि वैज्ञानिकों ने राम सूर्यमणि महाविद्यालय महुआ खुर्द सिद्धार्थनगर विद्यार्थियों के बीच मोबिलाइजेशन ऑफ स्कूल किया जाए विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिता रखा। निबंध प्रतियोगिता कर रहे में आयुषी चौधरी प्रथम अमन अग्रहरी द्वितीय में आशुतोष त्रिपाठी प्रथम सुधांशु मिश्रा द्वितीय आयुषी वर्मा तृतीय को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित। वहीं राम

कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में चल रहे इन सीटू फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना स्टूडेंट कार्यक्रम चलाया गया जिससे खेत में पराली न जलाने एवं उसकी प्रबंधन पर किसानों को अधिक से अधिक जागरूक सचिन चतुर्वेदी तृतीय पेंटिंग प्रतियोगिता में राधा गुप्ता प्रथम खुशी श्रीवास्तव द्वितीय दीपा अग्रहरी तृतीय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम अविनाश चतुर्वेदी सुनील शुक्ला सूरज श्रीवास्तव अरुणेश मिश्रा राजन चौहान अनिल ओझा महेश आदि उपस्थित रहे।

सूर्यमणि महाविद्यालय महुआ खुर्द सिद्धार्थनगर के प्रबंधक डॉ कमलेश मिश्र व केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार के हाथों दिया गया प्रमाण पत्र। केंद्र के डॉ प्रदीप कुमार ने सभी विद्यार्थियों को शपथ दिलाया कि धान की खरीफ की फसल मड़ाई के बाद धान की पराली किसानों को ना जलाने के लिए उनको प्रेरित करने के लिए शपथ दिलाई। जिसमें 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। केंद्र केकृषि वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत डॉ मार्कंडेय सिंह नीलम सिंह व कॉलेज के अध्यापक अर्चना मिश्रा रेनू जायसवाल अमित श्रीवास्तव श्याम गोविंद पाठक प्रदीप कुमार मिश्र मनोज कुमार चतुर्वेदी

प्राथमिक विद्यालय मंगराव के बच्चे मंडल में रहे प्रथम

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। जनपद बस्ती में आयोजित मंडल स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में सिद्धार्थनगर जनपद के भनवापुर ब्लाक की प्राथमिक विद्यालय मंगराव के बच्चों ने लोकगीत, समूह गान एवं अंत्याक्षरी में मंडल में प्रथम स्थान लाकर जनपद का मान बढ़ाया है, बताते चलें कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष मंडल स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता जनपद बस्ती के शहीद सत्य मानसिंह स्टेडियम में 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक आयोजित की गई जिसमें प्राथमिक संवर्ग में भनवापुर ब्लाक के मंगराव प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने बाजी मार ली, लोकगीत, समूह गान, अंत्याक्षरी में प्रथम स्थान जबकि राष्ट्रीय एकांकी एवं लोक नृत्य में द्वितीय स्थान पाकर उपविजेता रहे। यह बच्चे अब राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में बस्ती मंडल की तरफ से प्रतिभाग कर अपने बस्ती मंडल का मान बढ़ाने का काम करेंगे। टीम प्रभारी दुर्गेश कुमार मिश्रा ने बताया कि बच्चों का प्रदर्शन बहुत ही सराहनीय रहा जिसकी वजह से यह बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक अवधेश भारती, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राधे रमण त्रिपाठी, ब्लॉक अध्यक्ष राम प्रकाश मिश्रा, जिला महामंत्रीयोगेंद्र पांडे जिला, बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर देवेंद्र कुमार पांडे, खंड शिक्षा अधिकारी भनवापुर बिंदेश्वरी प्रसाद मिश्र, आबिद रिजवी, प्रदीप कुमार, सुरभि श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार, नीरज यादव आदि ने बच्चों को मंडल स्थान स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है।

हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जायेगा

बस्ती सू.वि। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान अभियान (25 नवम्बर से 23 दिसम्बर) की रुप रेखा तैयार

में मुख्य विकास अधिकारी डा. राजेश कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध समुदाय आधारित की गई। जिसमें जिले के लाइन डिपार्टमेंट के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य एजेंसी महिलाओं और विविध लैंगिक व्यक्तियों के अधिकार बढ़ाना, उनकी लैंगिक स्थिति और बहुआयामी पहचान के आधार पर बिना किसी डर, भेदभाव तथा हिंसा के गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए ढांचागत बाधाओं को दूर करना है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि हिंसा के विरूद्ध आवाज उठाने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जायेगा। उपायुक्त एनआरएलएम रामदुलार द्वारा अन्य विभाग के अधिकारियों को जोड़कर सहभागिता सुनिश्चित करने की बात की गयी तथा लिंग समानता आधारित रैली, शपथ समारोह, सम्मान समारोह के साथ–साथ रंगोली एंव खेलकूद आयोजन कराने की बात भी की गयी ।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक कमलेश सोनी, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, जिला दिव्यांगजन अधिकारी रेखा गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक डी.एस. यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी इन्द्रजीत प्रजापति, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुपम यादव, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिताशरण, खण्ड विकास अधिकारी, डी०एम०एम० एंव बी०एम०एम० मौजूद रहे।

कार्यालय जिलाधिकारी,सिद्धार्थनगर

अधिसूचना सं0–7409/आठ–वि०मू0अ0अ0/ सि०नगर /अधि0सू0/2022–23 / दिनांक– 21.11.2022

(अधिनियम की धारा–19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)

अधिसूचना

उप मुख्य अभियन्ता, कंस्ट्रक्शन/जनरल, नार्थ ईस्ट रेलवे, गोरखपुर के द्वारा अपेक्षित सार्वजनिक प्रयोजन यथा बहराइच–खलीलाबाद बी0 जी0 रेल लाईन के निर्माणार्थ परियोजना हेतु जनपद–सिद्धार्थनगर, तहसील–बॉसी, परगना–बासी पूरब, ग्राम–सकरा में स्थित 2.752638 हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा–11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या–6068/आठ–वि0भू0अ0अ0सि0नगर/अधि0सू0/2020–21/दिनांक 27.06.2022 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से सरकारी गजट उ0 प्र0 में दिनांक : 20 अगस्त 2022 को प्रकाशित किया गया है। डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेन्ट कलेक्टर सिद्धार्थनगर को परियोजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त नहीं किया गया है क्योकि भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।

अधिनियम की धारा–15 की उपधारा (2) के प्राविधानों के अनुपालन में कलेक्टर भूमि अध्याप्ति प्रयोजनार्थ सिद्धार्थनगर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट दिनांक 19.09.2022 पर विचारोपरान्त धारा–19(1) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निर्देश देते हैं कि उन्हें यह समाधान हो गया है कि अनुसूची ''क'' में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है तथा अनुसूची 'ख' में उल्लिखित जिला–सिद्धार्थनगर, तहसील–बॉसी, परगना–बॉसी पूरब, ग्राम–सकरा की शून्य हे0 भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

अनुसूची–क

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भुखण्ड संख्या	क्षेत्रफल हे0 में
1	2	3	4	5	6
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	28	0.0353943
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	8	0.0040
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	9	0.0120
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	10	0.0118939
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	11	0.0222814
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	3	0.0216997
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	7	0.1306571
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	12	0.0166649
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	16	0.2230417
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	17	0.4342821
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	25	0.0541046
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	24	0.0016578
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	18	0.0841959
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	107	0.2900899
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	108	0.1612869
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	97	0.200284
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	88	0.004564
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	83	0.0413129
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	204	0.0293792
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	205	0.0405663
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	206	0.0491687
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	233	0.0676191
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	234	0.119978
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	235	0.0692178
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	236	0.0883355
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	239	0.3325797
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	87	0.0573164
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	237	0.1141207
			कुल क्षेत्र फल		2.7176925 हे0

अनुसूची–ख

(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भूखण्ड सं0	पुनर्वासन हेतु चिन्हित क्षेत्रफल हे0 में
1	2	3	4	5	6
सि0नगर	बांसी	बांसी पूरब	सकरा	शुन्य	शुन्य

नोटः– समुचित सरकार द्वारा चयनित सामाजिक समाघात/प्रबन्धन अध्ययन कर्ता संस्था द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रस्तावित अर्जन से भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है तथा अध्ययन कर्ता संस्था की आख्या पर बहुशाखीय विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्व सम्मति से बहराइच–खलीलाबाद बी0जी0 रेल लाईन परियोजना के निमित्त भूमि अर्जन पर सामाजिक समाघात/प्रबन्धन रिर्पोट से सहमत होते हुये आवश्यक भूमि का अर्जन किये जाने की संस्तुति की गई है। सम्बन्धित तहसील की आख्या के अनुसार भी कोई कुटुम्ब विस्थापित नहीं हो रहा है।

उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा सिद्धार्थनगर कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

www.upgov.nic.in
upid-r.o.182368
Date : 30-11-2022

आज्ञा से,
जिलाधिकारी,
सिद्धार्थनगर।

सम्पादकीय

विधायकों की संख्या भले कम होगी लेकिन सबको पता है कि केजरीवाल उनकी प्रचार टीम नैरेटिव बनाने में कितनी माहिर है। उनका प्रयास अपनी हैसियत बढ़ाने और कांग्रेस की घटाने पर है। अगर वे इसमें कामयाब हो गए तो विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी के हिसाब से वे खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले विपक्ष का ...

विपक्ष से दूरी क्यों बना रहे हैं केजरीवाल?

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले दो हफ्ते में दो बार कहा है कि वे विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनेंगे। उन्होंने बहुत साफ तौर पर कहा कि भाजपा को हराने के लिए समूचे विपक्ष का एकजुट होना कारगर नहीं होगा। अब सवाल है कि थोड़े समय पहले तक विपक्ष के साथ एकजुटता बनाने के प्रयास मे शामिल रहे केजरीवाल ने क्यों अचानक दूरी बना ली है? वे क्यों अकेले लडने और पूरे देश में भाजपा को टक्कर देने की बात कर रहे हैं? क्या आम आदमी पार्टी की स्थिति ऐसी है कि वह पूरे देश में भाजपा को हरा सके या टक्कर दे सके? पार्टी के राजनीतिक मामलों में सक्रिय रहे जानकार नेताओं का कहना है कि केजरीवाल दूरगामी तैयारी में लगे हैं। इसके अलावा उनको गुजरात विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले कुछ और राज्यों के चुनावों से बड़ी उम्मीद है। असल में केजरीवाल को लग रहा है कि गुजरात में वे अगर चुनाव जीत कर सरकार नहीं बनाते हैं तब भी उनकी पार्टी मुख्य विपक्षी पार्टी बन रही है। यानी कांग्रेस सिमट रही है और उसकी जगह आम आदमी पार्टी का उदय हो रहा है। भाजपा के साथ सीधी टक्कर वाले राज्य गुजरात में अगर सचमुच केजरीवाल की पार्टी मुख्य विपक्ष बन जाती है तो कांग्रेस के लिए बहुत मुश्किल होगी। केजरीवाल की पार्टी के एक जानकार नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि कांग्रेस और आप दोनों की दो दो राज्यों में सरकार है। दोनों के दो दो मुख्यमंत्री हैं। गुजरात चुनाव के बाद आप एक बड़े राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी बन जाएगी। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पूरे दम से लड़ेगी। इन्हीं में से दो राज्य कांग्रेस के शासन वाले हैं। केजरीवाल का मकसद उन राज्यों में कांग्रेस को हराने का है। अगर कांग्रेस की सरकार रिपीट नहीं होती है तो अपने आप अरविंद केजरीवाल की हैसियत बड़ी होगी। ध्यान रहे देश में कोई दूसरी क्षेत्रीय पार्टी ऐसी नहीं है, जिसके दो मुख्यमंत्री हों। अगर दो मुख्यमंत्रियों के साथ एक नेता विपक्ष का पद भी आप के पास होता है और अगले चुनावों में कांग्रेस उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती है तो आम आदमी पार्टी देश की नंबर दो पार्टी होगी। विधायकों की संख्या भले कम होगी लेकिन सबको पता है कि केजरीवाल उनकी प्रचार टीम नैरेटिव बनाने में कितनी माहिर है। उनका प्रयास अपनी हैसियत बढ़ाने और कांग्रेस की घटाने पर है। अगर वे इसमें कामयाब हो गए तो विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी के हिसाब से वे खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले विपक्ष का स्वाभाविक चेहरा बताएंगे। हो सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनको इसका बड़ा फायदा न हो लेकिन वे कांग्रेस को रिप्लेस करने में कामयाब हो जाएंगे। ध्यान रहे भाजपा के अमित शाह जैसे बड़े नेता भी केजरीवाल को 2029 के लिए चुनौती मान रहे हैं।

समीक्षा पर स्पष्टता चाहिए

अगर करोड़ों लोग मनरेगा को अपने लिए सहारा मानते हैं, तो सरकार को इसके मौजूदा स्वरूप की समीक्षा करने के बजाय अपनी आर्थिक नीतियों और उनके परिणामों पर पुनर्विचार करना चाहिए। किसी योजना की एक खास अवधि के बाद समीक्षा की जाए, यह उचित ही है। इसलिए महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के अब तक के अनुभवों का आकलन केंद्र करे, तो उसमें समस्याग्रस्त बात नहीं होगी। लेकिन समस्या उस सोच में जरूर है, जो समीक्षा का कारण बताते हुए कही गई है। केंद्र सरकार की तरफ से जो कहा गया है, उसका सार यह है कि मनरेगा बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे गरीब राज्यों में गरीबी खत्म करने का सहारा नहीं बना है, जबकि केरल जैसे अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों ने इसका बेहतर इस्तेमाल किया है। कहा गया है कि केरल जैसे राज्य इस योजना का उपयोग कर अपने यहां संपत्ति निर्मित कर रहे हैं, जबकि बिहार और उप्र में इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया है। केंद्र के अधिकारियों ने कहा है कि ऐसा होने के बावजूद चूंकि कानून के मौजूदा स्वरूप के कारण केंद्र केरल जैसे राज्यों को आवंटित होने वाले धन में कटौती नहीं कर सकता, इसलिए अब इस पूरी योजना की समीक्षा की जरूरत है।

जाहिर है, इन बातों से संकेत मिलता है कि केंद्र आर्थिक और मानव विकास के पैमों पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले (खास कर दक्षिणी) राज्यों को मनरेगा के तहत मिलने वाले धन से वंचित करना चाहती है। इसके पहले पिछले वित्त आयोग के गठन के समय भी ऐसा हुआ था, जब केंद्र ने धन आवंटन की कसौटी में परिवर्तन कर आबादी को आवंटन का आधार बना दिया था। स्पष्टतरू इस सोच से जहां दक्षिणी राज्यों में अपने साथ भेदभाव होने का भाव पैदा होगा, वहीं यह सवाल उठेगा कि क्या बेहतर प्रदर्शन को दंडित किया जाना चाहिए? वैसे यह भी स्पष्ट करने की जरूरत है कि मनरेगा का उद्देश्य गरीबी हटाना है या इसे अत्यंत गरीब श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के उपाय के रूप में शुरू किया गया था? आदर्श स्थिति यह है कि मनरेगा जैसे उपायों की जरूरत ही ना रहे। इसके बावजूद अगर देश में करोड़ों लोग इस योजना को अपने लिए सहारा मानते हैं, तो उचित यह होगा कि सरकार को इसके मौजूदा ढांचे की समीक्षा करने के बजाय अपनी आर्थिक नीतियों और उनके परिणामों पर पुनर्विचार करे। वरना, इस समीक्षा पर सवाल तो उठेंगे।

..तो इसलिए ममता हुई मुलायम

इसी बात को ध्यान में रखते हुए ममता आदिवासियों की साधने में जुटी है। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लगातार जहर उगलने वाली ममता अब मोदी से संबंध सुधारने को तत्पर नजर आ रही हैं। विभिन्न घोटालों में तृणमूल के नेतागणों से केंद्रीय जांच एजंसियां द्धसीबीआई व ईडीऋ पूछताछ कर रही है और कई नेता जेल में बंद हैं। ऐसे में ममता–मोदी मुलाकात का रहस्य क्या है और ममता किस मकसद से ...

शंकर जालान

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी कब क्या करेंगीय यह कहना बेहद मुश्किल है।

कहा जाता है कि राजनीति में कभी कुछ स्थिर नहीं होता, लेकिन इस मामले में ममता भी कुछ भिन्न नहीं हैं। ममता की स्थिरता व अस्थिरता पर भी कुछ कहना बेहद मुश्किल है। इसका ताजा उदाहरण नवम्बर के मध्य में तब देखने को मिला जब तृणमूल विधायक और राज्य के कारा मंत्री अखिल गिरि द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर की गई अशोभनीय टिप्पणी पर ममता को सार्वजनिक रूप से माफी मांग कर सब को चौंका दिया था और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दिसम्बर की पांच तारीख को होने वाली प्रस्तावित बैठक को लेकर चर्चा में हैं।

अपने स्वभाव के विपरीत ममता ने माफी मांगी यह तो बड़ी बात है ही, इससे भी बड़ी और महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आखिरी ऐसी क्या नौबत आन पड़ी कि तृणमूल मुखिया को माफी मांगनी पड़ी? ठीक इसी तरह यह बात भी गले नहीं उतर रही है कि सातों दिन और चौबीसों घंटा प्रधानमंत्री को कोसने वाली ममता अब अगले महीने के शुरुआती दिनों में मोदी से होने वाली प्रस्तावित बैठक को लेकर क्यों लालायित दिख रही हैं? राजनीति के पंडित इस बात को लेकर माथापच्ची कर रहे हैं कि क्या सही में ममता का हृदय परिवर्तन हो गया है या फिर ममता का यूं कोण बदलता बस उनकी राजनीति मजबूरी भर है।

ममता अपनी ही सरकार के कारा मंत्री अखिल गिरि द्वारा महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर जो बयान दिया उससे न केवल गिरि की मानसिकता जाहिर हुई, बल्कि मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए ममता को माफी तक मांगने तक को मजबूर किया। एक नेता या मंत्री कुछ आपत्तिजनक बोल दे, तो पार्टी उस बयान को निजी बताते हुए पल्ला झाड़ लेती है, लेकिन उसी पार्टी की मुखिया राजनीतिक हानि–लाभ के मद्देनजर डैमेज कंट्रोल में जुट जाती है। गिरि के राष्ट्रपति पर दिए बयान के बाद भाजपा लगातार तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर है और ममता बनर्जी को आदिवासी विरोधी करार दे रही है। भाजपा के इस आरोप को गलत करार देने के लिए ममता बीते पखवाड़े न केवल हवाई मार्ग से आदिवासियों के गढ़ बेलपहाड़ी पहुंची, बल्कि खुद को आदिवासियों का रहनुमा तक बताया। राजनीति के जानकारों का मत है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर तृणमूल के कारा मंत्री द्वारा बिना सोचे–समझे की गई टिप्पणी बंगाल में पर्याप्त आदिवासी आबादी को भाजपा की ओर बढने से रोकने के लिए तृणमूल कांग्रेस की कोशिशों के सामने एक खतरे की तरह दिख रही है।

ममता ने बिरसा मुंडा के जन्मदिवस पर जाकर यह बताने और जताने का प्रयास किया कि उनके मंत्री भले ही कुछ भी बोलें, लेकिन वे खुद निजी तौर पर आदिवासी समुदाय और आदिवासियों के साथ है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि पंचायत चुनाव से पहले आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती के बहाने ममता बेलपहाड़ी गई थीं और इससे ठीक एक दिन पहले महामहिम मुर्मू से माफी मांगी। ममता की इस माफी में जरूरत और ग्लानि कम जबकि मजबूरी अधिक नजर आई, जिसके पीछे का मुख्य कारण है सूबे का आदिवासी वोट। आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं।

ऐसे में उनके ऊपर की गई नकारात्मक टिप्पणी आदिवासी समुदाय को किस कदर नागवार गुजर सकती है, इसका अंदाजा शायद ममता बनर्जी को है। यही वजह है कि उन्होंने अपने मंत्री अखिल गिरि की टिप्पणी पर माफी मांग मामले को रफा–दफा करना ही उचित समझा। अनुमान के मुताबिक सूबे में आदिवासी समुदाय 7 से 8 फीसद है। जंगलमहल के आदिवासी क्षेत्र की चार विधानसभाओं–बांकुड़ा, पुरूलिया, झाडग्राम और पश्चिमी मेदिनीपुर–सीट पर आदिवासियों का मत निर्णायक होता है। इसके अलावा उत्तर बंगाल के दार्जीलिंग, कलिमपोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, उत्तर व दक्षिण दिनाजपुर और मालदा में आदिवासियों की संख्या 25 फीसद तक है। 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा ने यहां की 22 में से 18 सीटों पर जीत हासिल की थी। तब उसे आदिवासी समुदाय का बड़ा समर्थन मिला था। भाजपा ने जंगलमहल की सभी और उत्तर बंगाल की 6 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि 2021 के विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल वापसी करने में सफल रही।

मालूम हो कि ममता बनर्जी राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में द्रौपदी मुर्मू का नाम आने के बाद से ही खासी सतर्क हैं। ध्यान रहे कि राज्य में अगले साल पंचायत चुनाव होने वाले है और गिरि का बयान कहीं तृणमूल का नुकसान न कर दे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए ममता आदिवासियों की साधने में जुटी है। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लगातार जहर उगलने वाली ममता अब मोदी से संबंध सुधारने को तत्पर नजर आ रही हैं। विभिन्न घोटालों में तृणमूल के नेतागणों से केंद्रीय जांच एजंसियां (सीबीआई व ईडी) पूछताछ कर रही है और कई नेता जेल में बंद हैं। ऐसे में ममता–मोदी मुलाकात का रहस्य क्या है और ममता किस मकसद से मोदी से भेंट करना चाह रही हैं, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। कहने को तो ममता राज्य की बकाया ध नराशि को लेकर प्रधानमंत्री से मिलने वाली हैं, लेकिन निश्चित तौर पर इस बदलाव के निहितार्थ तो हैं।

पशुपालन अवसंरचना विकास कोष, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुपालन ग्रैंड स्टार्ट–अप चौलेंज, और पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड सुविधाओं के विस्तार जैसी हालिया योजनाओं से हमारे डेयरी क्षेत्र में बेहतर मानकों और नवाचारों की शुरुआत होगी। इस प्रकार, डॉ. कुरियन की 101वीं जयंती के अवसर पर हमें यह विश्वास है कि भारत आने वाले समय में डेयरी उत्पादों के एक प्रमुख ...

भारत डेयरी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार

श्री पुरशोत्तम रुपाला

देश ने 26 नवंबर को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया। यह अवसर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिवंगत डॉ. वर्गीज कुरियन की 101वीं जयंती को रेखांकित करता है, जिन्हें भारत की श्वेत क्रांति का सूत्रपात करने का श्रेय दिया जाता है। भारत के डेयरी क्षेत्र में विकास और उन्नति कई मायनों में, वैश्विक मानचित्र पर देश के सम्मान और प्रभाव के रेखा–चित्र का प्रतीक रहा है। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, देश के दूध उत्पादन में 44 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गयी है और वर्ष 2020–2021 में, हमने 210 एमटी दूध का उत्पादन किया, जो दुनिया के कुल दूध उत्पादन का 23 प्रतिशत है। भारत की प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2020–21 में 427 ग्राम प्रति दिन रही, जबकि इसी अवधि के दौरान विश्व औसत 394 ग्राम प्रति दिन था। भारत में डेयरी क्षेत्र बड़े पैमाने पर सहकारी संरचना के तहत संगठित है और सहकारी समितियों ने डेयरी किसानों के मोल–भाव की ताकत बढ़ाने और अपने–अपने क्षेत्रों में दूध खरीद तथा दूध बिक्री की कीमत को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चावल और गेहूं जैसी फसलों के परिदृश्य के विपरीत, सरकार डेयरी उत्पादों की कीमतों को निर्धारित नहीं करती है और दूध की खरीद में शामिल नहीं होती है। इससे डेयरी सहकारी समितियों की स्वायत्तता को बढ़ावा मिला है और वे बाजार उन्मुख होने के लिए प्रोत्साहित हुई हैं। वास्तव में, देश की कुछ प्रमुख डेयरी सहकारी समितियों ने प्रदर्शन और लाभ, दोनों में निजी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। भारत की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी अमूल, देश में सहकारी प्रारूप की शक्ति और सफलता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है।

अब जब हम वैश्विक महामारी से उबर रहे हैं, तो लॉकडाउन अवधि के दौरान और उसके बाद डेयरी किसानों की सहायता के लिए, सरकार और डेयरी सहकारी समितियों द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालना उचित होगा। महामारी के दौरान डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में वृद्धि जारी रही, क्योंकि इसने किसानों के अतिरिक्त दूध की खरीद की, जो अन्यथा निजी और असंगठित क्षेत्र के व्यवसायियों को बेचा जाता था। 2020–21 के दौरान डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सहायता प्रदान करने के लिए, भारत सरकार ने मौजूदा केंद्रीय क्षेत्र की योजना– डेयरी कार्यों से जुड़े डेयरी सहकारी समिति और किसान उत्पादक संगठन (एसडीसीएफपीओ) योजना के तहत कार्यशील पूंजी ऋण पर ब्याज में छूट घटक लॉन्च किया। इस तरह के उपायों से हमारे डेयरी उद्योग को पिछले दो वर्षों में सक्षम बने रहने में मदद मिली है। प्रौद्योगिकी की बढ़ती क्षमता का लाभ उठाने के क्रम में, पशुधन प्रबंधन को आसान बनाने और इसकी दक्षता बढ़ाने के लिए ई–गोपाला नाम का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग पशु आधार, पशु पोषण, संजातीय–पशु चिकित्सा दवाएं (ईवीएम), पशु प्रजनन संबंधी सेवाओं और सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, ई–गोपाला ऐप डेयरी पशुओं, गोजातीय वीर्य, भ्रूण आदि की खरीद और बिक्री के लिए भी एक मंच प्रदान करता है। इस कार्य के पूरक के रूप में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा डेयरी किसानों की सहायता के लिए श्पशु मित्रश्य नामक एक हेल्पलाइन स्थापित की गई है, जो किसानों को पशुओं के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा सीधे जवाब प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा। यह देखते हुए कि वर्ष 2025 तक भारत का दूध उत्पादन 270 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) तक पहुंच जाने की उम्मीद है, व्यापारिक निगमों को प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाओं में निवेश करने की जरूरत होगी और यह डेयरी क्षेत्र के भीतर 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की क्षमता प्रदान करता है। डेयरी क्षेत्र में मोटे तौर पर बुनियादी ढांचे में पैमाने की दृष्टि से 120–130 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की कमी है। यह कमी अगले 9–12 वर्षों में निवेश पर 17–20 प्रतिशत के अपेक्षित लाभ के साथ लगभग 2. 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की संभावनाएं खोलती है। निर्यात बाजार में हमारी बढ़ती उपस्थिति डेयरी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का एक और प्रेरक है। उदाहरण के लिए, एचएस कोड 0406 के तहत भारत का पनीर निर्यात 2015–2020 की अवधि के दौरान 16 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। जिन प्रमुख देशों को पनीर का निर्यात किया गया उनमें संयुक्त अरब अमीरात, भूटान और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल थे। वर्तमान में दुनिया भर में 75 से अधिक ऐसे देश हैं जहां दूध की कमी है। इनमें से अधिकांश देश एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के हैं। यह भारत के लिए नए बाजारों में पैठ बनाने का एक बढिया अवसर प्रदान करता है। इसके लिए, राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन जैसी हालिया पहल पता लगाने की क्षमता (ट्रेसबिलिटी) संबंधी मानकों को बेहतर करने की दिशा में एक लंबा सफर तय करेगी और भारतीय कंपनियों को आयात करने वाले देशों द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में सक्षम बनाएगी। डेयरी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने डेयरी निवेश त्वरक की स्थापना की है, जिसके तहत गेट्स फाउंडेशन और इन्वेस्ट इंडिया जैसी संस्थाएं निरूस्वार्थ सेवाएं प्रदान करने के लिए सहयोग करेंगी। इसमें समस्या समाधान, निवेश सुविधा, निर्यात रणनीति में सहायता, बाजार अनुसंधान, स्थान मूल्यांकन आदि जैसे पहलू शामिल होंगे। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि डेयरी क्षेत्र ने फसलें खराब हो जाने की स्थिति में पारंपरिक किसानों को आय का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान किया है। वर्तमान सरकार के प्रयास डेयरी उद्योग को असंगठित से संगठित क्षेत्र में बदलने पर केंद्रित हैं, जिसका अंतिम लक्ष्य किसानों की आय में वृद्धि करना और मूल्य श्रृंखला में रोजगार का सृजन करना है। पशुपालन अवसंरचना विकास कोष, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुपालन ग्रैंड स्टार्ट–अप चौलेंज, और पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड सुविधाओं के विस्तार जैसी हालिया योजनाओं से हमारे डेयरी क्षेत्र में बेहतर मानकों और नवाचारों की शुरुआत होगी।

दिनदहाड़े तीन लाख की लूट से मचा हड़कंप, लुटेरों ने घटना को अंजाम देकर फायरिंग करते हुऐ फरार

घटना के खुलासे को पुलिस टीम जांच में जुटी

शाहाबाद,हरदोई।की योगी सरकार जहां अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसने के निर्देश दे रही है तो वहीं हरदोई में जन सेवा केंद्र के एक संचालक से दिनदहाड़े बाइक सवार नकाबपोश तीन बदमाशों ने तमंचे की बटों से हमला करके उसे लहूलुहान कर दिया और तीन लाख रूपए छीन कर चंपत हो गए। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। इलाकाई पुलिस ने नाकेबंदी करके बदमाशों की छानबीन शुरू कर दी है। घटना की सूचना पाकर एस पी भी शाहबाद पहुंचे और पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरदोई जिले में मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम हाथीपुर निवासी राहुल द्विवेदी पुत्र संजय कुमार द्विवेदी शाहाबाद थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर कल्लू आंझी स्टेशन पर जनसेवा केंद्र चलाते हैं। सुबह तकरीबन 10रू30 बजे के आसपास वह अपने घर से एक बैग में तीन लाख रूपए लेकर बाइक से जनसेवा केंद्र आ रहे थे। राहुल की बाइक जैसे ही नगला गणेश मोड़ पर पहुंची वैसे ही एक बाइक पर सवार तीन नकाबपोश बदमाश पीछे से आए और उन्होंने तमंचे की बट से राहुल के सिर पर वार कर दिया और तीन लाख की नकदी का बैग छीनने लगे। राहुल ने विरोध किया तो बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग की । दहशत में राहुल ने अपना बैग छोड़ दिया बदमाश राहुल को लहूलुहान करके बैग लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना पाकर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एसके मिश्र फोर्स बल के साथ मौके पर पहुंचे और बदमाशों की नाकेबंदी के लिए पुलिस को चारों तरफ रवाना कर दिया। इधर सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक राजेश त्रिवेदी भी मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना करने के बाद सीएचसी पहुंचकर घायल से बातचीत की। तथा पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उधर सीएचसी से घायल राहुल द्विवेदी को जिला मेडिकल कालेज रेफर किया गया है।

उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जौनपुर । जिला उद्योग बन्धु, सीडा उद्योग बन्धु , बैंकर्स एवं व्यापारिक सुरक्षा फोरम की बैठक विकास भवन के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उद्यमियों की समस्याओं को सुनते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया। जिलाधिकारी ने एलडीएम को निर्देश दिया कि 01 सप्ताह में एचडीएफसी के एटीएम ठीक हो जाय। सीडा में एसी बस के ठहराव एवं सीडा बस स्टैंड तक टिकट किराया साफ्टवेयर में अपडेट्स कराये। सीडा में विद्युत काटते समय पूर्व में सूचित कर दे। सीड़ा में स्ट्रीट लाइट ठीक कराने और बदलने के निर्देश दिए गए। सीड़ा में टूटी नालियों एवं पटरी को मरम्मत करने की व्यवस्था की जाए। कालोनी के पार्क की मरम्मत कराये जाएं। सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में 02 मॉडल शौचालय बनाए जाएं। सहायक श्रम आयुक्त के द्वारा निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता समूह योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी और अपील किया कि अधिक से अधिक मजदूरों का पंजीकरण कराकर योजनाओं का लाभ लें। जिला महामंत्री व्यापार मण्डल के आरिफ हबीब ने नगर पालिकाध्नगर पंचायतों में स्ट्रीट लाइटों को बदलने का आग्रह किया जिस पर जिलाधिकारी ने बताया कि जिन जगहों पर खराब है अवगत कराएं जल्द जल्द ठीक करा दी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका के साथ साथ जनपद के बाजारों को सुंदर बनाये जाने का प्रयास किया जा रहा हैं। लाईट और शौचालय बनाये जाएंगे। इंवेर्स्टर समिट के सम्बंध में तैयारी कर लेने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक उमाशंकर सहायक प्रबंधक जय प्रकाश, वाणिज्य कर अधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, नगर अध्यक्ष व्यापार मण्डल घनश्याम साहू उपस्थित रहे।

दूध के भरे टैंकर में दबकर ब्लॉक प्रमुख के प्लांट पर काम कर रहे मजदूर की हुई दर्दनाक मौत

मजदूर को टैंकर के नीचे दबा हुआ छोड़कर प्लांट पर काम कर रहे कर्मचारी हुए फरार

हरपालपुर,हरदोई।लोनार थाना क्षेत्र के सहिजना में एक मजदूर को दूध प्लांट के टैंकर ने जोर दार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, वही मृतक के परिजनों का आरोप है कि दूध प्लांट के टैंकर की टक्कर लगने के बाद उसे इलाज के लिए नहीं ले गए उसे टैंकर के नीचे ही दवा छोड़ दिया और मौके से दूध प्लांट के सभी कर्मचारी फरार हो गए घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर कटरा बिल्हौर हाईवे मार्ग पर शव रखकर जाम कर दिया जाम लगने की खबर मिलते ही पुलिस के हाथ–पांव फूल गए और मौके पर पहुंची पुलिस ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जाम को खुलवाया है।पुलिस ने टैंकर को कब्जे में ले लिया, जबकि चालक समेत प्लांट के सभी कर्मचारी मौके से भाग निकला। ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दी, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।लोनार थाना क्षेत्र के दुलारपुर गांव के योगेश 30 पुत्र भारत लाल राठौर 2 किलोमीटर दूर स्थित सहिजना गांव में लगे दूध प्लांट पर मजदूरी का कार्य करता था, बताते हैं। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उसका पुत्र लगभग 2 साल से दूध प्लांट पर मजदूरी करता था उसका 40 हजार रुपए मजदूरी का बाकी था प्लांट मालिक पर कई बार मजदूरी का पैसा मांगा लेकिन पैसा नहीं दिया गया। दूध प्लांट पर खड़ा हो रहा था तभी ड्राइवर के द्वारा टैंकर को पीछे बैक किया गया और मजदूर टैंकर के नीचे आने से बुरी तरीके से घायल हो गया वही घायल मजदूर को टैंकर के नीचे दबा छोड़कर प्लांट पर काम कर रहे कर्मचारी एवं टैंकर चालक मौके से फरार हो गया घटना की जानकारी परिजनों को मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने कटरा बिल्हौर हाईवे मार्ग पर शव रखकर जाम कर दिया कई घंटे हाईवे जाम रहा जिसकी खबर स्थानीय पुलिस को लगी तो पुलिस के हाथ–पांव फूल गए मौके पर पहुंची पुलिस ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी प्रकार से यातायात को सुचारु रुप से चालू करवा पाया सूत्रों की माने तो हरपालपुर के ब्लॉक प्रमुख अनोखेलाल कश्यप दूध प्लांट बताया जा रहा है। वही उन्हीं के प्लांट पर टैंकर के नीचे दबकर एक मजदूर की मौत हो गई है इस मामले में पुलिस भी सत्ता पक्ष के दबाव में कार्यवाही करना मुनासिब नहीं समझ रही है। पुलिस ने जाम खुलवाने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लोनार प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर गैर इरादतन हत्या के तहत मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

तहसीलदार सदर का महज खाना पूर्ति तक सीमित रहा यातायात माह

जौनपुर। यातायात माह का समापन हो गया। इस दौरान पुलिस विभाग ने जिले में कुछ स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री करली। जिससे इस माह की सार्थकता बेकार साबित हुई।खेतासराय में यातायात अभियान के निष्प्रभावी रहा। पुलिस महज हाथ पर हाथ रखी बैठी रही। इससे यातायात माह का हवा निकल रहा है। पुलिस यातायात माह के अलावा भी भूले – बिसरे कार्यवाही करने के नाम इतिश्री करती है, जितना करती नहीं उससे ज्यादा वाह – वाहवाही लूटने का कोशिश करती है। ऐसे में यातायात माह का धज्जियां उड़ती नजर आ रही है। चौराहे पर खड़ी रहती है पुलिस लोग इसकी धज्जियां उड़ाते निकल जाते है। पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं यह लोगों के समझ से परे है। यातायात माह समाप्त की ओर है लेकिन खेतासराय पुलिस लोगों को जागरूक करने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की है। ऐसे में खेतासराय पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्नवाचक चिन्ह लग रहा है। जिससे उल्लंघन करने वालों का हौसला बढ़ता जा रहा है। समाप्त होते इस यातायात माह पर खेतासराय पुलिस सिर्फ रस्म अदायगी तक सिमटी रही है। यातायात व्यवस्था को सुधार हेतु कोई कारगर पहल देखने को नहीं मिली है। जिसके चलते नगर में भीषण जाम लग जाता है। जिससे निजात दिलाने पुलिस हांफती रहती है। इसी जाम के झाम में लोग घटों तक फस कर रेंगते रहते है। लोग का मानना है यातायात नियमों का यदि पचास प्रतिशत सही ढंग से पुलिस पालन करें दे तो जाम की समस्या यू ही समाप्त हो जाएगी लेकिन पुलिस इसको करने की जहमत नहीं उठाना चाह रही है। इसके पीछे क्या कारण है समझ से बात परे है। खेतासराय चौराहे पर पांच मिनट के लिए खड़े हो जाएं तो एक बाइक तीन – चार लोग सवार होकर गुजरने वालों को आसानी से देख सकते है इतना ही बल्कि आज के युग में मोटरसाइकिल में कानफाडू साइलेंसर लगाकर धड़ल्ले से दहाड़ते हुए निकल रहे है। पुलिस ऐसे लोगों पर कतरा रही है पुलिस की इस रवैये से आम लोगों का चर्चा विषय बना हुआ है पुलिस यातायात माह का हवा ढीली कर रही है। आम जनता के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द ऑटो – रिक्शा है। लेकिन जानकर बताते है यह पुलिस के लिए कामधेनु गाय की तरह है। इस ऑटो – रिक्शा वालों के लिए कस्बा में कोई स्टैंड नहीं है। जिससे बेतरतीब खड़े ऑटो – रिक्शा बीच रास्ते में ही खड़ाकर बेधड़क सवारी भरने और उतारने का काम करते है। यदि आते – जाते पुलिस की नजर पड़ भी जाती है तो पुलिस आँख बन्द करके निकल जाती है। पुलिस ऐसे लोगों पर कार्यवाही न करने से ऑटो – चालकों के हौसला बढ़ गया है। दरअसल यह ऑटो चालक भोली – भाली सवारियों से मनमाना तरीके से किराया वसूलते ही है विरोध करने का झगड़ा छोड़ मारपीट करने तक अमादे हो जाते है। मनमाना किराया न देने पर आधे – अधूरे रास्ते में उतर कर चले जाते है। खेतासराय कस्बा राष्ट्रीय राजमार्ग होकर गुजरता है। चौराहे के पूरब की दिशा में दीदारगंज मार्ग है जो आजमगढ़ जिला को जोड़ता है। पश्चमी की दिशा में खुटहन मार्ग है। उत्तर दिशा में शाहगंज मार्ग जो तहसील को जोड़ता है। इसके दक्षिण में जौनपुर मार्ग है जो जिला मुख्यालय को जोड़ता है। जानकर बताते है चौराहे पर दीदारगंज मार्ग और खुटहन मार्ग पर सबसे ज्यादा डग्गामार वाहन है। जो बिना फिटनेस व नम्बर प्लेट के फर्राटा भर रहे है। पुलिस इन डग्गामार वाहनों पर कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है लोग समझ नहीं पा रहे है। जानकर बताते है कि यह डग्गामार वाहनों पुलिस के दुधारू गाय की तरह है। एक चालक बताया कि हम लोगों का महीना देना होता है। इसको देने से चाहे जैसे जहाँ से सवारी भरकर ढोते है। किराया के सम्बंध में बताया कि मनमाना किराया नहीं लिया जाएगा तो महीना कहा से दिया जाएगा। ऐसे में पुलिस के इस रवैये के चलते यातायात नियमों को धज्जियां उड़ा रही है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह ने बताया की जो गाड़िया नगर में बिना फिटनेस इंश्योरेंस प्रदूषण प्रमाण पत्र इत्यादि जरूरी प्रपत्र के अवैध रूप से चल रहीं है जल्द ही अभियान चला कर कठोर कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

वेतन रोकने का निर्देश

जौनपुर । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक विकास भवन के सभागार के सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पास्को के लंबित मामलों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराएं। पास्को के मामलों में कम सजा दिलाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रभावी पैरवी कराते हुए अधिक से अधिक लोगो को सजा दिलाई जाए। पॉस्को के मामलों को 01 महीने के भीतर निस्तारण के प्रयास किये जायें। डीजीसी कोर्ट में लंबित मुकदमों को 05–05 थाने अन्य पॉक्सो के अधिवक्ताओ को आवंटित कर दिए जाएं। कन्हईपुर के लेखपाल न्यायालय में गवाही नही देने जा रहे थे और तहसीलदार सदर को कई बार अवगत कराया गया, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार सदर का वेतन रोकने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सहित अन्य उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक से चलाया जागरूकता अभियान

जौनपुर। समग्र शिक्षा के तत्वाधान में स्पेशल प्रोजेक्ट फार इक्वीटी के अन्तर्गत सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के सहयोग से बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित विभिन्न गतिविधियों जैसे–बालिका शिक्षा एवं सशक्तिकरण के मुद्दो पर जन–जागरूकता, निपुण भारत कार्यक्रम, निपुण लक्ष्य, मिशन शक्ति कार्यक्रम, बेटी बचाओं एवं बढ़ाओं इत्यादि विभिन्न गतिविधियों के संदर्भ में जन–जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटकों द्वारा जनपद में कुल 25 दिवस में चिन्हित 50 स्थलों पर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जायेगा। नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन स्थल शीतला चौकिया चौराहा एवं गौराबादशापुर बाजार विकास खण्ड धर्मापुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार यादव एवं नामित नोडल अध्यापक की देख–रेख में प्रदर्शन सम्पन्न हुआ। जिसका शुभारम्भ 30 नवम्बर से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल द्वारा राज्य स्तर से चयनित श्रीमन्त डी0एन0 यादव एण्ड पार्टी, सुदामापुरी, कालोनी चिन्हट, लखनऊ को कार्यालय से हरी झण्डी दिखाकर चयनित स्थलों पर नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन करने हेतु रवानगी की गयी। प्रभारी जिला समन्वयक अरूण कुमार मौर्य, जिला समन्वयक श्रीमती शोभा तिवारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय अमरदीप जायसवाल एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी बक्शा उदयभान कुशवाहा उपस्थित रहें।

सड़कों को गड्ढामुक्त करने का आदेश हवाई

जौनपुर। सुइथाकला क्षेत्र की बहुसंख्यक सड़के दशकों से सरकार की उपेक्षा का दंश झेल रही हैं।सरकारी फरमान के बाद लोगों में गड्ढायुक्त सड़कों से निजात मिलने की आस जगी थी,लेकिन लोक निर्माण विभाग की नाकामयाबी से क्षेत्र की सड़के आज भी जस की तस बनी हुई है।स्थानीय सरपतहां– पट्टीनरेन्द्रपुर मार्ग पर लोगों का चलना दूभर हो गया है।इस सन्दर्भ में लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड के अभियन्ता गड्ढामुक्त करने की जगह सड़क चौड़ीकरण के विचाराधीन प्रस्ताव की बात बता रहे हैं, उक्त सड़क को गड्ढामुक्त करने का टेंडर महीनो पूर्व निकाला गयाथा,जिस पर अभियन्ता द्वारा ठेकेदार के पास मजदूरों की कमी होने की बात बताई गयी,जबकि प्रदेश सरकार द्वारा 30नवम्बर तक सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करने काआदेश दिया गया था।

कर अपवंचक नहीं कर दाता है व्यापारी: विवेक मनोचा

सहारनपुर। सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल का एक विशेष प्रतिनिधि मंडल वरिष्ठ व्यापारी नेताओं के साथ उत्तराखंड के देहरादून में जीएसटी विभाग की आशा रोडी चौकी पर असिस्टेंट कमिश्नर अमित कुमार से मिला जहां बड़ी संख्या में विभिन्न ट्रांसपोर्टरों के ट्रक रोककर सहारनपुर के कपड़ा जूता होजरी व्यापारियों का माल सीज किया गया है व्यापारियों ने असिस्टेंट कमिश्नर अमित कुमार से मिलकर अपना विरोध प्रकट किया और कहा कि कानून के साथ–साथ व्यापारिक दृष्टिकोण का भी अमल किया जाना चाहिए क्योंकि व्यापारी और विभाग एक दूसरे के पूरक हैं, और व्यापारी कर अपवंचक नहीं कर दाता है और व्यापारियों के कर से ही देश चल रहा है और व्यापारी देश की आर्थिक रीढ़ है और व्यापारियों ने समय समय पर अपना आर्थिक योगदान देकर देश की प्रगति में अहम भूमिका को निभाया है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि करोना के बाद से ही व्यापारी अपने व्यापार को बचाने के लिए संघर्षरत है ऐसे में छोटी–छोटी कमियों पर माल रोक कर व्यापारियों का उत्पीड़न होता है और सरकार को भी कर की हानि होती है। व्यापारियों के माल में छोटी सी कमी पर धारा 129 की कार्रवाई न कर 130 की कार्रवाई करना व्यापारी का उत्पीड़न है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा की व्यापारी जानकारी के अभाव में भी कभी–कभी गलती करता है जबकि उसकी मंशा कर अपवंचन की नहीं है ऐसे में इस दृष्टिकोण को भी देखते हुए विभाग को कार्रवाई करनी चाहिए असिस्टेंट कमिश्नर अमित कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि भविष्य में इस चीज का विशेष रूप से ध्यान रखा जाएगा और विभाग की मंशा व्यापारी का उत्पीड़न नहीं करना है व्यापारियों से भी अपील की की धीरे–धीरे व्यापारी जीएसटी, एचएसएन कोड और ई वे बिल को समझना शुरू करें जिससे कि भविष्य में गलतियां कम हो और व्यापारी अनावश्यक कार्रवाई से बच सके। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा महानगर महामंत्री सुरेंद्र मोहन सिंह चावला चेयरमैन राजेंद्र गुप्ता पंजाबी मार्केट क्लॉथ मरकैंट टाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश अरोड़ा रायवाला क्लॉथ मार्केट के चेयरमैन संजय अरोड़ा संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष सूरज प्रकाश ठक्कर, उपाध्यक्ष अशोक छाबड़ा, उपाध्यक्ष सुधीर मिगलानी, सीए भरत मिगलानी ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रोबिन मोगा संयोजक मुकेश दत्ता सरदार पुरुषोत्तम सिंह, तेजपाल सिंह, अरविंद वोहरा, अनिल जुनेजा विशेष रूप से उपस्थित थे।

नटवरलाल की करतूत फर्जी टीसी जारी

पाली,हरदोई।नगर के एक नटवरलाल ने आठवे की फर्जी टीसी बनवा कर अपने पौत्र को एक प्रतिष्ठित विद्यालय में मैं दाखिला भी दिलवा दिया जहां वह अब 11वीं का छात्र है इस मामले में मुख्यमंत्री को एक शिकायती पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की गई।पाली नगर के पटिया नीव मोहल्ला निवासी वेद प्रकाश शुक्ला मुख्यमंत्री को एक शिकायती पत्र भेजकर कहा गया है कि मोहल्ला निवासी राम जी पुत्र धर्मेंद्र कुमार द्वारा वर्ष 2019 में शाहाबाद ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय सरमा के नाम से फर्जी आठवीं पास टीसी बनवाई जिसका प्रवेशांक 726 है।जो विद्यालय रिकॉर्ड में नहीं है।इस संबंध में विद्यालय अपना स्पष्टीकरण भी दे चुका है इस समय रामजी नगर के एक प्रतिष्ठित विद्यालय में 11वीं का छात्र है। वेद प्रकाश के अनुसार राम जी का बाबा दयाराम जिसे फर्जीवाड़े में महारत हासिल है।उसकी इस करतूत से दोनों विद्यालयों की छवि धूमिल दो मिले साथ ही गुमराह किया गया।

यातायात माह का रिजर्व पुलिस लाइन हरदोई में हुआ भव्य समापन

हरदोई।लगातार हो रही मार्ग दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा यातायात माह हर वर्ष चलाया जाता है। इसी क्रम में आज यातायात माह पूरा होने पर पुलिस लाइन परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान नगर क्षेत्राधिकारी विनोद कुमार ने वहां पर मौजूद वाहन चालकों व वाहन मालिकों को यातायात नियमों को पालन कराने का जहां पाठ पढ़ाया है। वही जागरूकता के उद्देश्य से एक रैली का आयोजन भी किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार रिजर्व पुलिस लाइन हरदोई में यातयात माह नवंबर का भव्य समापन किया गया, क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा सभी बच्चों को यातायात के नियम, यातायात के संकेत व सड़क पर सुरक्षित चलने के छोटे–छोटे टिप्स बताएं, सभी छात्र –छात्राओं को यातायात शब्द का अर्थ व हमारा जीवन कितना सुरक्षित है और इन नियमों को जीवन में अपनाकर हम अपना जीवन और सुरक्षित बना सकते हैं। साथ ही शासन द्वारा प्रदत्त विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी सभी छात्र –छात्राओं को दी गयी ।

डीएम व एसपी ने किया जिला जेल का औचक निरीक्षण

हरदोई,जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आज पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी के साथ जिला कारागार में पुरूष बंदियों की सभी बैरिकों,महिला बंदीगृह,कारागार चिकित्सालय एवं भोजनालय का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिय कि शासन द्वारा निर्धारित मीनू के अनुसार बंदियों को समय पर गुणवत्ता परक नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध करायें और बंदियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका निस्तारण करायें। उन्होने कहा कि महिला बंदियों के साथ उनके बच्चों पर विशेष ध्यान देकर उन्हें फल,दूध भी उपलब्ध करायें और बच्चों की उचित व्यवस्था की जायें।बीमार बंदियों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कारागार चिकित्सकों से कहा कि गंभीर रूप से बीमार बंदियों का जिला चिकित्सालय में परीक्षण कराकर पर्याप्त दवा आदि की व्यवस्था करायें। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक, जेलर आदि उपस्थित रहें।

बन्द एवं किराये पर संचालित दुकानों का पुनः आवंटन किया जायेगा– राजमती

हरदोई।जिला समाज कल्याण अधिकारी राजमती ने बताया है कि स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान योजनान्तर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा सामूहिक रूप से निर्मित कराकर अनुसूचित जाति के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले बेरोजगार युवक–युवतियों को दुकानें आवंटित की गई हैं। दुकानों के स्थलीय सत्यापन में बन्द पाई गई दुकानों एवं किराये पर संचालित की जा रही दुकानों को निरस्त कर नये पात्र बेरोजगार युवकध्युवतियों को दुकानें आवंटित की जानी हैं। योजनान्तर्गत निर्मित दुकानों के निर्माण लागत का आधा मूल्य लाभार्थी को समान 120 किस्तों में अदा करना आवेदन हेतु आवेदन की विभिन्न पात्रताएं निर्धारित है जिसके अंतर्गत आवेदक अनुसूचित जाति का हो। सम्बन्धित विकास खण्ड का निवासी हो। आवेदक के पास पूर्व से अपनी कोई दुकान न हो। आवेदक बेरोजगार हो । आवेदक गरीबी रेखा से नीचे हो अर्थात आवेदक की आय ग्रामीण क्षेत्र हेतु रू० 46080ध्– एवं शहरी क्षेत्र हेतु 56460ध्– से अधिक न हो। पात्र इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन पत्र दिनांक 31 दिसम्बर, 22 तक कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास), कमरा नं0 9 में जमा कर सकते हैं।

पानी में करंट लगने से अधेड़ की मौत

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जपटापुर गांव के मोहम्मद अजहर 55 वर्ष पुत्र मोहम्मद अनवर सुबह 9 बजे अपने घर के पीछे गए वहां एक जगह पानी जमा हुआ था। उस पानी को साफ करने के लिए जैसे ही उसमें हाथ लगाया उसमें दौड़ रहा करंट इनको अपनी चपेट में ले लिया। करंट लगने से इनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताते है कि जिस समय इन्हें करंट मारा था कई लोग इन्हें बचाने के लिए गए लेकिन कोई साहस नहीं जुटा पाया। देखने पर पता लगा कि एक पतला सा तार टूट कर उक्त पानी में गिरा हुआ था। तार का कनेक्शन काटा गया तब इनकी लाश निकाली गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वन माफिया गेल्हन ने झोंका फायर

रुद्रपुर। जिले के चर्चित वन माफिया के पुलिस टीम पर फायर झोंकने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस पर फायर झोंकने के आरोपी गैंगस्टर गेल्हन निषाद को हत्या के प्रयास और आयुध अधिनियम में जेल भेज दिया गया। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक उपेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि 28 तारीख की रात करीब दो बजे पुलिस टीम गश्त कर रही थी। करिहवा पुल पर पुलिस की गाड़ी पहुंचते ही क्षेत्र का चर्चित वन माफिया और गैंगेस्टर एक्ट में कई बार निरुद्ध रहा गेल्हन निषाद ने फायर शुरू कर दिया। उसके फायर झोंकने के बाद पुलिस टीम ने संभल कर दबोच लिया। आरोपी के पास से 315 बोर का एक तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। शिवपुर पड़रही गांव का रहने वाला रमाशंकर निषाद उर्फ गेल्हन जिले का टॉप टेन अपराधी है। रामलक्षन क्षेत्र में इसका सिक्का चलता है। कोतवाल की तहरीर पर गेल्हन के खिलाफ हत्या के प्रयास और आयुध अधिनियम में केस दर्ज किया गया। पुलिस उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया।

सलेमपुर–देवरिया मुख्य मार्ग पर नगर में बिखरीं गिट्टियां बनीं जानलेवा

सलेमपुर। गोरखपुर से सलेमपुर तक बन रही फोरलेन नगर में अधूरी है। करीब डेढ़ साल से सड़क की दोनों तरफ गिट्टियां बिछाकर छोड़ दी गईं हैं। अधूरे निर्माण के चलते नगर के दुकानदारों व राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, लोक निर्माण विभाग का कहना है कि कोतवाली की चहारदीवारी बाधक है। चहारदीवारी टूटने और अंदर का पेड़ कटने के बाद कार्य शुरू होगा। मुख्य मार्ग रामपुर मोड़ से नगर के रेलवे ओवरब्रिज तक सड़क की दोनों तरफ गिट्टी डालकर वैसे ही छोड़ दी गई है। इसके कारण जो धूल उड़ रही है, वह रोड पर स्थित दुकानदारों की दुकानों के अंदर तक चली जा रही है। वहीं, बिखरीं गिट्टियां राहगीरों व वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गईं हैं। कई बार तो इसके चलते मार्ग दुर्घटना हो चुकी है। कांग्रेस के जिला मंत्री डॉ. धर्मेंद्र पांडेय ने कहा कि केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद यह सड़क करीब पांच साल से अधूरी पड़ी है, लगता है यहां के जनप्रतिनिधियों को अगले चुनाव का इंतजार है। वहीं, सड़क के किनारे जीवन यापन करने वाले ठेला व खोमचे वाले भी इसको लेकर पीड़ित हैं। नगर के रमेश मद्धेशिया, जाबीर खान, गणेश मिश्र, सत्यम पांडेय, महेंद्र बरनवाल, प्रदीप बरनवाल, सुनील तिवारी, अमित यादव, परमानंद प्रसाद, संतोष कुशवाहा आदि ने भी इस सड़क के शीघ्र निर्माण की मांग शासन से की है। इस संबंध में अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग संतोष यादव ने बताया कि कोतवाली की चहारदीवारी व बिजली के कुछ खंभों के चलते काम अधूरा पड़ा है। हालांकि, बिजली निगम अपना खंभा किनारे कर रहा है। कोतवाली की चहारदीवारी बाधक बनी हुई है। टूटने के बाद निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

पैच लगाए जाने के बाद भी सड़क में दिख रहे गड्ढे

बरहज। शासन की ओर से सूबे की जर्जर सड़कों को 15 नवंबर और समयसीमा बढ़ाकर 30 नवंबर तक गड्ढ़ा मुक्त करा लेने के निर्देश जारी किए गए थे। कुछ एकसड़कों पर पीडब्ल्यूडी ने पैचिंग कार्य कराया है। जो नाकाफी साबित हो रहा है। पैचिंग कार्य कराए जाने के बाद भी सड़कों में जगह–जगह गड्ढ़े बने हुए हैं। इससे समस्या ज्यों की त्यों है। महेन–कपरवार मार्ग पर करीब एक सप्ताह से गड्ढ़ा मुक्त कारा लेने के लिए जोर–शोर से पैचिंग कार्य कराया जा रहा है। आलम यह है कि सड़क पर जगह–जगह गड्ढे अब भी बरकरार हैं। सड़कों के चाक–चौबंद न होने को लेकर लोग जिम्मेदारों को कसूरवार ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि सड़कों की हालत सही न होने के कारण लोग रोजाना मुश्किलों के दौर से गुजर रहे हैं। गाड़ियों के पंक्चर होने, एक्सेल टूटने आदि के साथ समय का भी दोहन हो रहा है। इस संबंध में एसडीएम बरहज गजेंद्र सिंह ने बताया कि सड़कों को दिखवाया जाएगा। जांच कराकर शासन की मंशा के अनुरूप कार्य न कराए जाने पर विभाग के जिम्मेदारों से रिपोर्ट मांगी जाएगी।

बरहज की प्रमुख सड़कों पर नहीं शुरू कराया गया कार्य

बरहज। बेलडांड़–देवरिया, करुअना–मगहरा, बरांव–पकड़ी बाजार–देवरिया, भलुअनी–पकड़ी बाजार मार्ग पर अनगिनत छोटे–बड़े गड्ढे बने हुए हैं। इससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। जिम्मेदार कुछ सड़कों पर पैचिंग कराकर कार्य की इतिश्री कर ले रहे हैं। करुअना–मगहरा मार्ग पूरी तरह टूट गया है। इस पर छोटी–बड़ीं गिट्टियां गिराकर छोड़ दी गईं है। विभाग कभी–कभी सड़क पर पानी गिरवा दे रहा है।

पत्नी की हत्या में आजीवन कारावास

महराजगंज। जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी ने हत्या के एक मामले की सुनवाई करते हुए अभियुक्त कन्हैया निवासी कनमिसवा टोला किलवारी थाना निचलौल को आजीवन कारावास की सजा दी है। पांच हजार रुपये अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतानी पड़ेगी। पत्रावली से मिली जानकारी के अनुसार 8 फरवरी 2014 को कनमिसवा गांव के चौकीदार मुसाफिर ने निचलौल थाने में तहरीर दी थी। तहरीर के अनुसार सात फरवरी की रात में गांव के कन्हैया ने अपनी पत्नी रंभा से भोजन मांगा तो पत्नी ने मना दिया। जिससे उसने गुस्से में पत्नी एवं मासूम बच्चे को मारा डाला। पुलिस ने केस दर्ज कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया। सहायक शासकीय अधिवक्ता संतोष कुमार मिश्रा ने गवाही देने के बाद सजा की मांग की। जिस पर न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य एवं गवाही के आधार पर यह सजा सुनाई है। संवाद

छेड़छाड़ के अभियुक्तको चार साल की सजा

महराजगंज। न्यायालय विशेष न्यायाधीश (अनन्य न्यायालय पॉक्सो) विनय कुमार सिंह द्वितीय ने छेड़छाड़ के मामले की सुनवाई करते हुए अभियुक्त को चार साल की सजा सुनाई है। साथ ही पांच हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। मामला 18 अगस्त 2016 का है। पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक ने गांव की किशोरी के साथ छेड़छाड़ की। किशोरी खेत में घास काटने गई थी। वहीं पर गांव का एक युवक उससे छेड़छाड़ करने लगा। सहायक शासकीय अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह ने मामले में गवाही कराने के बाद सजा की मांग की। न्यायालय ने साक्ष्यों एवं गवाही के आधार पर अभियुक्त को यह सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं देने की दशा में छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी।

बीज की 43 दुकानों पर छापा, 26 नमूने लिए

महराजगंज। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के निर्देश पर कृषि एवं उससे जुड़े सहयोगी विभागों के अधिकारियों के नेतृत्व में गठित पांच टीमों ने बीज की 43 दुकानों पर छापा मारा। छापेमारी में टीमों ने गेहूं के बीज के 26 नमूने लिए। नमूनों को जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला में भेजा जाएगा तथा वहां से रिपोर्ट आने के उपरांत अगली कार्रवाई होगी। जिला कृषि अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि घुघली, परतावल व पनियरा में उन्होंने स्वयं तथा सदर व मिठौरा में उप कृषि निदेशक रामशिष्ट ने छापेमारी की। वहीं निचलौल में जिला कृषि रक्षा अधिकारी हिमांचल सोनकर, नौतनवां में भूमि संरक्षण अधिकारी रविशंकर पांडेय व फरेंदा में उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी ने छापेमारी की। छापेमारी में टीमों ने 43 दुकानों की जांच कर गेहूं बीज के 26 नमूनों को एकत्र किया है। नमूनों को जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला में भेजा जाएगा।

सड़क, बिजली और कृषि विभाग का उठा मुद्दा

जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में सदस्यों ने गिनाईं जिले की प्रमुख समस्याएं

देवरिया। जिला पंचायत के सभागार में पंचायत बोर्ड की बैठक हुई। इसमें पूर्व बैठक में प्रस्तावित पास हुए कार्यों की समीक्षा हुई। बैठक में सड़क, बिजली के साथ कृषि विभाग का मुद्दा अहम रहा। सही जवाब न मिलने पर सीडीओ ने जांच कर कार्रवाई करने का आदेश दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद तिवारी ने सीडीओ रविंद्र कुमार, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया, बरहज विधायक दीपक मिश्रा, भाटपाररानी विधायक सभा कुंवर कुशवाहा, रुद्रपुर विधायक जय प्रकाश निषाद के साथ ही पंचायत सदस्यों को शॉल भेंट कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बोर्ड की पिछली बैठक में हुए विभिन्न विभागों के विकास कार्यों पर चर्चा की। देसही देवरिया क्षेत्र से कमलेश पांडेय ने धान क्रय केंद्रों और खाद्य वितरण का मुद्दा उठाया। क्रय केंद्रों पर हो रही धांधली पर एडीएम से सवाल करते हुए कहा कि सरकार को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। क्रय करने में चोरी की जा रही है। खाद्य का वितरण भी सही नहीं हो रहा है। एडीएम ने कहा कि क्रय केंद्रों की जांच कर चार पर केस दर्ज गया है। जांच में खाद्य वितरण के मामले में जनपद पूरे राज्य में चौथे नंबर पर हैं। लोगों की सुविधा के लिए जिले में 92 क्रय केंद्र बनाए गए है।

लार क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य विमलेश उफ जनक कुशवाहा ने विकास कार्य में चर्चा के दौरान बिजली की समस्या के बारे में संबंधित अधिकारी, जेई और उसके ठेकेदारों की लापरवाही को बताया। कहा कि यूपी सरकार ने घर–घर बिजली पहुंचाने की योजनाओं का प्रस्ताव किया। इतने रुपये खर्च करने के बाद भी बिजली नहीं पहुंची। कहीं–कहीं खेत में बिजली के ट्रांसफॉर्मर लगा दिए गए हैं, जिसका कोई उपयोग नहीं हैं। खुखुंदू के संदेश यादव ने कहा कि क्षमता से कम वाले ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। इससे बार–बार फॉल्ट होने की वजह से दिक्कत होती है। कहा कि पूरे जिले में पोल पर लगीं स्ट्रीट लाइट में आधी खराब हो गईं हैं। छह माह पहले बिजली विभाग को एक काम के लिए शिकायत पत्र दिया गया था, जिसको बोर्ड बैठक के दो दिन पहले जेई ने मोबाइल फोन कर उसका निस्तारण किया। जिस पर सीडीओ ने संबंधित अधिकारी से सामाधान में देरी होने का स्पष्टीकरण मांगा है। जनपद में सड़क से जुड़ी समस्या सभी क्षेत्रों में है। बनकटा क्षेत्र की पंचायत सदस्य नीतू सिंह ने कहा कि प्रतापपुर से भाटपाररानी जाने वाला मार्ग काफी खराब है। जिले का एकमात्र चीनी मिल भी शुरू होने वाली है। इससे काफी दिक्कत होगी। गौरीबाजार क्षेत्र के सुभाष यादव ने कहा कि मठिया से बंजरिया जाने वाली सड़क में तीन–तीन फीट का गड्ढा है। सदस्यों ने सलेमपुर से मगहरा सड़क, मुसैला से मईल, बेलडाड़ से कठिनइया आदि कई क्षेत्रों की खराब सड़क का मुद्दा उठाया है।

इसमें पीडब्लूडी ने संबंधित अधिकारियों ने कहा कि जनपद में 370 सड़के नवीनीकरण के लिए स्वीकृति हैं। जिसका दो बार टेंडर पास होने बाद नई तकनीकी के मानक के अनुसार ठेकेदार नहीं मिल पाएं। तीसरी बार टेंडर को पास किया गया है। मानक के अनुसार ठेकेदार मिलने के बाद जल्द ही कार्य कराया जायेगा।

डीएम को सौंपा ज्ञापनः देवरिया। जिला पंचायत सदस्यों ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को छह सूत्री ज्ञापन देकर समस्या के निदान की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से कमलेश पांडेय सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शहर से देहात तक की सड़कें कागज में चकाचक

लोक निर्माण विभाग की रिपोर्ट में 92 प्रतिशत सड़कों के गड्ढों से पाई जा चुकी है मुक्ति

देवरिया। तीस नवंबर का समय बीत गया है पर जिले की सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हो पाईं हैं। जिन जगहों पर सड़कों को गड्ढामुक्त किया गया है, वहां भी जैसे–तैसे गड्ढा भरा गया है। गिट्टी और मिट्टी के सहारे गड्ढा भरकर कागजी रिपोर्ट भेज दी गई है। हालांकि, लोक निर्माण की खुद की रिपोर्ट है कि 92 प्रतिशत सड़कें गड्ढा मुक्त हो पाईं हैं। अफसरों का दावा है कि सड़कों को चकाचक कर दिया गया है। पहले पंद्रह नवंबर तक सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की योजना थी लेकिन काम अधूरा रह जाने के कारण समय सीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई थी। ताकि सड़कों की मरम्मत हो सके। सच तो यह है कि चयनित मार्गों पर विभाग की ओर से 92 प्रतिशत गड्ढा मुक्त करने का दावा हवाहवाई साबित हो रहा है। जिला मुख्यालय से लगायत देहात तक हालत एक जैसी है। कई जगहों पर मानक की धज्जियां उड़ाते हुए पैचवर्क का काम कराया गया है। इसके कारण सड़कें बनने के बाद से ही उखड़ गईं। शहर के मालवीय रोड की सर्विस लेन पर गड्ढा मुक्ति अभियान का असर देखने को नहीं मिला है। यही हाल साकेत नगर, खरजरवा, देवरिया पकड़ी मार्ग का भी है। यहां तक कि फोरलेन पर शहर के भटवलिया और बस स्टेशन के बीच में कई जगहों पर गड्ढा है। इसके कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इन मार्गों पर एक अक्तूबर से होना था कामः देवरिया। एक अक्तूबर से ही लोक निर्माण विभाग की 67 मार्गों की विशेष मरम्मत एवं 257 मार्गों की सामान्य मरम्मत के लिए टेंडर हो चुका है। 80.93 करोड़ रुपये की लागत से काम होना था। पर हकीकत यह है कि बरसात और ठेकेदारों की हड़ताल से सड़कों की मरम्मत कई जगहों पर अभी तक शुरू भी नहीं हो पाई है। इसमें नूनखार–बैकुंठपुर मार्ग बलुआ संपर्क मार्ग, छठियांव संपर्क मार्ग, फतेहपुर इमिलिया–कुरमौठा मार्ग, सेमरौना से नकईल संपर्क मार्ग, पचरुखा बैदा सरांव एकौना संपर्क मार्ग, पकड़ी बंगरा मिश्रौली मार्ग से बहोर टिकमपार मार्ग संपर्क मार्ग, रुच्चापार संपर्क मार्ग, महेन लवकनी से गंगा सतरांव संपर्क मार्ग, बेहली से उधोपुर संपर्क मार्ग, सिरजम खास संपर्क मार्ग, खोरीबारी ग्राम से महुराव संपर्क मार्ग, महेन संपर्क मार्ग, देवरिया बरहज किमी 17 से करोहिया होते हुए देवरिया बेलडाड़ संपर्क मार्ग, देवरिया बेलडाड़ किमी 17 से करजहां संपर्क मार्ग, छितौनी संपर्क मार्ग, भरहे चौरा सवरेजी सम्पर्क मार्ग, भटनी भिंगारी मार्ग से रायबारी सम्पर्क मार्ग, बीआरडीपीजी कॉलेज से मेहड़पुरवां में भरटोली होते हुए बस्ती संपर्क मार्ग, सहित कुल 67 मार्ग के 169.48 किमी सड़क का 36 करोड़ की लागत से विशेष मरम्मत का कार्य किया जाना है। इसके अलावा 257 मार्गों के 408.91 किमी सड़क का 43.99 करोड़ की लागत से मरम्मत की जानी है।

परीक्षा ड्यूटी के लिए वेबसाइट पर देना होगा शिक्षकों का विवरण

महराजगंज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2023 में होने वाली बोर्ड परीक्षा के लिए तैयारियों को तेज कर दिया गया है। विद्यालयों से प्रत्येक दशा में परिषद की वेबसाइट पर 10 दिसंबर तक प्रधानाचार्यों व शिक्षकों का विवरण अपलोड कराने को कहा गया है। अपलोड कराए गए विवरण का जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से परीक्षण किया जाएगा तथा 20 दिसंबर तक उसे परिषद को भेजा जाएगा। इसके बाद परिषद की ओर से केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक व परीक्षक के रुप में शिक्षकों की तैनाती होगी। यूपी बोर्ड में वर्ष 2023 में होने वाली हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक व कक्ष निरीक्षक तथा मूल्यांकन कार्य के लिए परीक्षकों की तैनाती की जानी है। परिषद के सचिव की ओर से सभी माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों के नाम, उनकी जन्मतिथि, तैनाती स्थल, विषय के विवरण समेत अन्य शैक्षिक विवरण को परिषद की वेबसाइट पर 10 दिसंबर तक अपलोड करा दें। ऐसा करने से जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से उसका 20 दिसंबर तक परीक्षण करते हुए उसे अपनी संस्तुति सहित भेजना होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से दी गई संस्तुति के मुताबिक केंद्र व्यवस्थापकों, कक्ष निरीक्षकों व परीक्षकों की तैनाती की जाएगी।

निकाय चुनावः व्यवस्था की हकीकत जांचने को अधिकारी नामित

– जिले के सभी 11 निकायों में की गई तैनाती, तीन दिन में व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश

महराजगंज। जिले की तीन नगर पालिका व आठ नगर पंचायतों में प्रस्तावित निकाय चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने नोडल व सहायक नोडल अधिकारी को तैनात कर दिया है। साथ ही उन्हें निर्देशित किया है कि वे तीन दिन के अंदर नामांकन केंद्र, मतगणना केंद्र व मतदान पार्टी के प्रस्थान स्थल की जांच कर अपनी रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। नगर पालिका परिषद महराजगंज में उप जिलाधिकारी सदर को नोडल व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका महराजगंज को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। नौतनवां में उप जिलाधिकारी नौतनवां को नोडल व अधिशासी अधिकारी नौतनवां को सहायक नोडल तथा सिसवां में तहसीलदार निचलौल को नोडल व तथा अधिशासी अधिकारी को सहायक नोडल बनाया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत आनंदनगर में उप जिलाधिकारी फरेंदा को नोडल व अधिशासी अधिकारी को सहायक नोडल तथा निचलौल में उप जिलाधिकारी को नोडल व अधिशासी अधिकारी को सहायक नोडल बनाया गया है। घुघली में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को नोडल व एडीओ पंचायत घुघली को सहायक नोडल व सोनौली में तहसीलदार नौतनवां को नोडल व अधिशासी अधिकारी सोनौली को सहायक नोडल नामित किया गया है। पनियरा में अपर उप जिला मजिस्ट्रेट को नोडल व एडीओ पंचायत पनियरा को सहायक नोडल तथा परतावल में तहसीलदार फरेंदा को नोडल व एडीओ पंचायत परतावल को सहायक नोडल के रुप में जिम्मेदारी दी गई है। बृजमनगंज में अतिरिक्त उप जिलाधिकारी को नोडल व एडीओ पंचायत बृजमनगंज को सहायक नोडल तथा चौक में सदर तहसीलदार को नोडल तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत चौक को सहायक नोडल अधिकारी के रुप में तैनात किया गया है।

नामांकन व मतगणना केंद्र तथा पार्टी रवानगी स्थल का हुआ निर्धारण

सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धनंजय कुमार दूबे ने बताया कि नगर पालिका महराजगंज के निर्वाचन के लिए नामांकन केंद्र, पार्टी रवानगी स्थल व मतगणना केंद्र के लिए कलेक्ट्रेट मुख्यालय को निर्धारित किया गया है। नगर पालिका नौतनवां व सिसवा के साथ ही नगर पंचायत फरेंदा, निचलौल, सोनौली व चौक के लिए नामांकन केंद्र, पार्टी रवानगी स्थल व मतगणना केंद्र के लिए संबंधित तहसील मुख्यालय को चयनित किया गया है। नगर पंचायत बृजमनगंज का नामांकन तहसील मुख्यालय फरेंदा में हुआ है, जबकि पार्टी रवानगी स्थल व मतगणना केंद्र का स्थल विकास खंड मुख्यालय है। नगर पंचायत परतावल, पनियरा व घुघली के प्रत्याशियों के लिए नामांकन, मतगणना व पार्टी रवानगी का स्थल विकास खंड मुख्यालय को बनाया गया है।

नवजात को कुत्ता दबोचा, फिर भी नहीं चेत रहे अस्पताल कर्मी

महराजगंज। पिछले दिनों महिला अस्पताल में नवजात को कुत्ता दबोच कर ले जा रहा था। इसके बाद आनन– फानन कार्रवाई की गई। इस प्रकरण में अभी नतीजा कुछ नहीं निकला। जांच की बात कर अधिकारी अपना अपना पल्ला झाड़ लिए हैं। इसके बाद जिला अस्पताल में ओपीडी गेट के पास कुत्ता बैठा हुआ मिला। वह आराम से परिसर में सोया हुआ था, लोग उसके करीब से गुजरे रहे थे। हैरत की बात है कि अस्पताल के कर्मी उसे देखकर चले जा रहे थे। बीते दिनों हुई घटना के बावजूद अस्पताल प्रशासन सबक नहीं ले रहा है। लिहाजा कर्मियों की लापरवाही बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार, विगत 25 नवंबर को महिला अस्पताल में शौचालय के पास कूड़ेदान में नवजात का शव पड़ा था। उसे कुत्ता दबोचकर ले जा रहा था। एक कर्मी की नजर पड़ी तो वह नवजात को छोड़कर चला गया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने आनन–फानन कर्मियों पर कार्रवाई शुरू कर दी। सीसीटीवी कैमरे के जरिए नवजात को लाने वाले के बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश की गई। लेकिन, सीसीटीवी फुटेज में कुछ खास नहीं दिखा। अज्ञात के खिलाफ केस भी दर्ज हुआ है। पुलिस केस दर्ज कर खामोश हो गई है। अस्पताल प्रशासन भी पुलिस द्वारा जांच की बात कर शांत है। घटना हुए पांच दिन हो गए, लेकिन इसका पता नहीं चला सका कि नवजात को किसने, कब महिला अस्पताल में पहुंचा दिया। इसके बारे में कुछ सटीक जानकारी नहीं मिल पा रही है। महिला अस्पताल में पीछे से प्रवेश बंद है। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने के लिए निर्देश किया गया है। उधर, जिला अस्पताल में कर्मियों की लापरवाही का नमूना दिखा। सुबह करीब 11रू30 बजे कुत्ता अस्पताल परिसर में बैठा रहा। लेकिन, कोई कर्मी उसे हटाने की जहमत नहीं उठाई।

शास्त्री नगर के उपेंद्र ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कर्मियों को सचेत रहना चाहिए, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। राजीव नगर के राजेंद्र संजीव कश्यप ने बताया कि कुत्ता नवजात को दबोचकर ले जा रहा था, इसके बाद तो अस्पताल के कर्मियों को चौकन्ना रहना चाहिए। अस्पताल में कुत्ते जहां तहां दिखेंगे तो ऐसी घटनाएं होती रहेंगी। इस पर अस्पताल प्रशासन को सचेत रहने की जरूरत है।

रैली निकाल एड्स केति किया जागरुक

चौरी चौरा गोरखपुर। अखिलभाग्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानापार में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रैली निकाल कर लोगों को एड्स के

प्रति जागरुक किया गया. रैली को महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य डॉ रागिनी राय ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. महाविद्यालय परिसर से रैली निकल कर रानापार, विशुनपुर गांव होते हुए महाविद्यालय परिसर पहुंची. रैली में छात्र छात्राओं ने हाथ में स्लोगन लिखा तख्ती लेकर चल रहे थे. संक्रमित सुई व संक्रमित खून से एड्स फैलता है. जागरुकता से ही एड्स से बचा जा सकता है. इस अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अभय प्रताप सिंह,योगेंद्र कुमार,डॉ शालिनी सिंह,डॉ रुपा सिंह, डॉ प्रियंका सिंह,डॉ अनुपम सिंह,अशोक कुमार मिश्र,आरती माला सिंह,अजय ओझा,राजनाथ सिंह,विद्यानंद सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

नगर मजिस्ट्रेट ने दी चेतावनी, तीसरा शस्त्र जमा नहीं हुआ तो सभी शस्त्र लाइसेंस होंगे निरस्त

गोरखपुर। शासन द्वारा जनपद के ऐसे लाइसेंसी जिनके शस्त्र लाइसेंस पर 2 से अधिक शस्त्र स्वीकृत हैजिसमें रमाशंकर दूबे पुत्र श्रीनाथ दूबे नि0 महुअवा बुजुर्ग थाना बड़हलगंज, आनन्द कुमार यादव पुत्र स्व0 रामबेलास यादव निवासी कुल्दवाबारी थाना बड़हलगंज, कुंवर गुलाब सिंह पुत्र राजवंशी सिंह निवासी खुटभार थाना बड़हलगंज, उमाशंकर सिंह पुत्र राम दुलारे सिंह निवासी लच्छीपुर रामनगर केवटलिया थाना गोरखनाथ, संदीप कुमार सुरेखा पुत्र केदारनाथ सुरेखा निवासी मुण्डेरा बाजार थाना चौरीचौरा, विक्रम प्रसाद पुत्र स्व0 हरीलाल निवासी माधोपुर थाना तिवारीपुर, अरूण सिंह पुत्र सत्यव्रत सिंह निवासी, सीध75 सूरजकुण्ड आवास विकास कालोनी थाना तिवारीपुर, फरमानुल्लाह अंसारी पुत्र स्व0 रफातुल्लाह निवासी दाउदचक थाना तिवारीपुर, प्रकाश नारायण पाण्डेय पुत्र स्व0 आर0एन पाण्डेय निवासी मिर्जापुर पचपेड़वा थाना गोरखनाथ है। प्रभारी अधिकारी (शस्त्र)ध्नगर मजिस्ट्रेट अंजनी कुमार सिंह ने सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को निर्देशित किया है कि यदि आप द्वारा सात दिवस के अन्दर अपना तीसरा शस्त्र जमाध्सरेण्डर किये जाने विषयक सूचना शस्त्र कार्यालय को उपलब्ध नहीं करायी जाती है तो आपके तीनों शस्त्र में से नवीनतम तीसरा शस्त्र नियमानुसार निरस्त कर दिया जायेगा और आपका तीसरा शस्त्र शासनादेश 13 दिसम्बर 2020 के बाद अवैध मानते हुए विधिक कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी जिसके जिम्मेदार आप स्वयं होगें।

झारखंड महोत्सव का होगा आयोजन, भाजपा जिला कार्यालय पर हुई समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत झारखण्ड स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित झारखण्ड महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। जिसकी तैयारी हेतु भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्षधविधान परिषद सदस्य उत्तर प्रदेश लक्ष्मण आचार्य भाजपा जिला कार्यालय पर एक आवश्यक बैठक में भाग लिया। बैठक में झारखण्ड महोत्सव की तैयारी की समीक्षा की व आगे कि रणनीति भी तय की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व संचालन जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया।एक भारत श्रेष्ठ भारत",एकऐसी नयी और प्रभावशाली योजना है जो मोदी सरकार द्वारा शुरु की गयी हैं। भारत के प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभ

भाई पटेल का जन्म दिवस) पर इस नयी पहल को शुरु करने की घोषणा की थी। इस योजना का उद्देश्य मौजूदा सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में एकता को बढ़ावा देना हैं। इसका उद्देश्य उन भारतीयों के बीच भी सम्बंधों को सुधारना है जो पूरे देश में अलग–अलग भागों में रह रहे हैं। ये पहल लोगों को लोगों से जोड़ेगी जो वास्तव में भारत में एकता को बढ़ायेगी। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" मोदी सरकार द्वारा शुरु की जाने वाली नयी पहल है, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल (31 अक्टूबर 2015) की 140वीं वर्षगाँठ के अवसर पर की थी। भारत विश्वभर में अपनी एकता, शान्ति और सद्भाव के लिये जाना जाता है। इसलिये, ये पहल सरकार द्वारा किया गया वो प्रयास है जिससे पूरे देश में लोगों को एक–दूसरे से जोड़कर एकता, शान्ति और सद्भावना को बढ़ावा दिया जा सकेगा। ये देश के विकास को नयी ऊँचाईयों तक ले जाने के लिये किया गया महत्वपूर्ण कार्य है। इस योजना का उद्देश्य लोगों को एक दूसरे से जोड़ने के साथ ही साथ देश में शान्ति और सद्भावना को बढ़ावा देना हैं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत व आभार प्रकट करते हुए कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत होने वाले झारखण्ड प्रदेश का उत्सव प्रदेश नेतृत्व द्वारा सोनभद्र में करने को कहा जिसे हम सभी कार्यकर्ताओं को झारखण्ड प्रदेश का उत्सव मनाने का जो गौरव प्राप्त हुआ है, हम सभी कार्यकर्ता आज से ही कार्यक्रम की तैयारी में जुट जाये जिससे एक भव्य झारखण्ड उत्सव मनाया जा सके। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक 13 सदस्यीय कमेटी का निर्माण किया गया है जो झारखण्ड प्रदेश से आये सभी लोगो का एक बडा समागम सोनभद्र में कराने का काम करेंगे।बैठक में मुख्यरुप से समाज कल्याण राज्यमंत्री संजय गोंड, दुद्धी विधायक रामदुलारें गोंड, पूर्व विधान परिषद सदस्य केदारनाथ सिंह, पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा, जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, जीत सिंह खरवार, जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य, अशोक मौर्य, संतोष शुक्ला, अनूप तिवारी, विनोद पटेल, बलराम सोनी, संगीता गुप्ता, रविन्द्र अग्रवाल, बीडी विश्वकर्मा, रामयश पाण्डेय, संतोष सिंह बबलू, दिलिप पाण्डेय, मोहित पटेल, सत्यनारायण मेहता आदि उपस्थित रहे।

विश्व एड्स दिवस पर निकली जागरूकता रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में वृहस्पतिवार को 'साईनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स, हिंदूवारी, के छात्र–छात्राओं (बी फार्मा, बीएससी नर्सिंग व डी फार्मा) द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि एड्स के नोडल अधिकारी

■ लोगों को किया गया एड्स के प्रति जागरूक
■ साईनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स, हिंदुआरी, के छात-छात्राओं ने रैली में लिया हिस्सा

एडिशनल सीएमओ डॉक्टर गुलाब यादव, सदर ब्लाक प्रमुख व क्षेत्रिय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा (काशी प्रान्त) अजीत रावत, संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर राजेश कुमार पटेल एवं प्रबंध निदेशक धर्मराज मौर्य ने हरी झंडी दिखा के किया गया।रैली सीएमओ कार्यालय से चलकर आरटीएस क्लब होते हुए पन्नूगंज रोड से शीतला मंदिर चौक होकर बढ़ौली चौक पहुंची। उसके बाद सिविल लाइन रोड स्थित सवेरा होटल के सामने गायत्री लॉज के बगल वाले रास्ते से राजकीय महिला इण्टर कॉलेज होते हुए वापस सीएमओ ऑफिस पहुंचकर रैली का समापन किया गया। इस जागरूकता रैली के माध्यम से आम जनता को एड्स जैसी जानलेवा बीमारी को लेकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर गरिमामयी उपस्थिति संस्था के सचिव संदीप मौर्या, संस्था के प्रबंधक धीरज पाठक एवं सूर्य देव पांडेय (प्रॉक्टर) रही। कार्यक्रम का कुशल आयोजन कॉलेज की हेड ऑफ डिपार्टमेंट असोसिएट प्रोफेसर शुचिता मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का सञ्चालन कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर विनय पांडे, लेक्चरर अरुण चतुर्वेदी, गेस्ट लेक्चरर प्रिंस राय व सौरभ त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर शुभम सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अवनीश मिश्रा, व लेक्चरर डा पवन दास एवं समस्त स्टाफ सदस्य की उपस्थिति में कार्यक्रम सफल हुआ।

कॉरपोरेट जगत के अतिथियों का व्यख्यान करायेः कुलपति

गोरखपुर। नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा के क्रम में आज कुलपति प्रोफेसर राजेश सिंह ने वाणिज्य विभाग का निरीक्षण किया। कुलपति ने शिक्षण संकाय में सुधार के लिए विभाग के नियमित शिक्षकों के अलावा कॉर्पोरेट जगत से अतिथि के व्यख्यान आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने जेआरएफ/एसआरएफ/रिसर्च स्कॉलर्स को टीचिंग असिस्टेंट के रूप में काम करने के लिए पूर्व अनुमति लेने की बात कही। कुलपति ने विभाग के प्रवेश पर शिक्षकों, पूर्व छात्रों के विवरण और विभागीय इतिहास के नामों से युक्त साइन बोर्डों के उचित प्रदर्शन की बात कही। उन्होंने गैलरी, प्रसाधन, वाटर रूम, कक्षा के फर्श, पुस्तकालय खिड़कियां, सेमिनार हॉल, हेड और डीन के कक्षों की सफाई और साज–सज्जाध्एम्बेडिंग पर यथाशीघ्र अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने संपत्ति अधिकारी को निष्प्रयोज्य सामग्री के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। इस मौके पर कुलपति ने कक्षाओं में छात्रों की कम उपस्थिति पर गंभीर असंतोष व्यक्त किया और परीक्षा नियंत्रक सहित सभी अधिकारियों को इसे गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। विद्यार्थियों से अपनी समस्याओं को सीधे कुलपति को ईमेल के जरिये सूचित करने को कहा।संकाय भवन के पोर्टिको में उपलब्ध स्थान में शिक्षकों के लिए केबिन बनाने के प्रस्ताव को जल्द से जल्द भेजने का निर्देश भी दिया। बी कॉम (बैंकिंग और बीमा) के स्व–वित्तपोषण पाठ्यक्रम के संबंध में कंप्यूटर प्रैक्टिकल कंप्यूटर फिलहाल भवन में चलायी जायें और कंप्यूटर लैब के लिए कंप्यूटर और अन्य कार्यालय सहायता आवश्यकताओं की खरीद को समन्वयक द्वारा जेम्स पोर्टल से किया जाना चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख वाणिज्य विभाग प्रो आनंद सेनगुप्ता तथा विभाग के समस्त शिक्षकों के साथ साथ प्रो गोपाल प्रसाद, प्रो अजय सिंह, प्रो राम आसरे सिंह, कुलसचिव विशेश्वर प्रसाद, वित्त अधिकारी संत प्रकाश सिंह, लेखा अधिकारी डीसी लाल आदि मौजूद रहे।

राजकीय पी.जी. कॉलेज ओबरा की छात्राओं ने लहराया परचम

ओबरा पी जी कॉलेज की अर्पिता पांडेय ने निबंध में प्रथम व क्विज में द्वितीय, शिवानी सिंह ने पोस्टर प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सोनभद्र जनपद का बढ़ाया गौरव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दिनांक 30 नवंबर 2022 को देर शाम तक आयोजित हुई मिर्जापुर मंडल की मंडलीय सड़क सुरक्षा की निबंध, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिताओं में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, सोनभद्र की छात्राओं ने महाविद्यालय के सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.संतोष कुमार सैनी के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया। निबंध प्रतियोगिता में सोनभद्र जनपद का प्रतिनिधित्व करते हुए राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, सोनभद्र की छात्रा कु.अर्पिता पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान अंकिता मिश्रा ज्ञानपुर,भदोही तथा तृतीय स्थान बीआरडी पीजी कॉलेज दुद्धी, सोनभद्र की छात्रा कु. प्रियंका गौतम को मिला। पोस्टर प्रतियोगिता में मेजबान लालता सिंह राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अदलहट,मिर्जापुर की छात्रा निशा मौर्य ने प्रथम स्थान तथा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, सोनभद्र की छात्रा कु. शिवानी सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं क्विज प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय औराई की छात्रा स्नेहा दुबे ने प्रथम स्थान तथा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, सोनभद्र की छात्रा अर्पिता पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार मिर्जापुर मंडल के तीनों जिलों मिर्जापुर, भदोही एवं सोनभद्र के स्नातक, स्नातकोत्तर महाविद्यालयों एवम उच्च शिक्षण संस्थानों के जनपदीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त मेधावी छात्र– छात्राओं के मध्य आयोजित निबंध, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिताओ के कुल 9 पुरस्कारों में से सोनभद्र जनपद के छात्र–छात्राओं ने अकेले चार पुरस्कारों, तथा राजकीय पी जी कॉलेज ओबरा,सोनभद्र की छात्राओं ने उन चार पुरस्कारों में से अकेले तीन पुरस्कारों को प्राप्त कर सोनभद्र जनपद का गौरव बढ़ाया है। महाविद्यालय की छात्राओं के शानदार प्रदर्शन से महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं में अत्यंत हर्ष व्याप्त है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) प्रमोद कुमार ने इस शानदार उपलब्धि के लिए महाविद्यालय की पूरी टीम को बधाई दी तथा विजेता छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नौडीहा ने ओबराडीह को व बेलवनिया ने मोराही को हराया

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। जिले के घोरावल तहसील क्षेत्र के महुआव पांडेय गांव में चल रहे जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता मे गुरुवार को पहला मुकाबला नौडीहा व ओबराडीह के बीच खेला गया। जिसमे टॉस जीतकर ओबराडीह प हले बल्ले बाजी करते हुए 10 ओवर 46 रन बनाए। जिसके जवाब में नौडीहा 1 ओवर शेष रहते 6 विकेट से मैच को जीत लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच अविनाश पांडेय रहे। दूसरा मैच मोराही बनाम बेलवनिया के बीच खेला गया ,जिसमें बेलवनीय विजयी रहा। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच विवेक पांडेय रहे। यह आयोजन युवा समाजसेवी प्रखर वक्ता चंद्रशेखर पांडेय के द्वारा कराया जा रहा है ।इस अवसर पर आयोजक समिति में अजय धर द्विवेदी दीपक शर्मा प्रदीप तिवारी अनूप पाठक निखिल द्विवेदी अभिषेक द्विवेदी आलोक द्विवेदी जितेंद्र कुमार गुड्डू जैसवाल रामकेश कुशवाहा नीरज गौतम दिलीप प्रदीप कल्लू सेठ जय प्रकाश शर्मा राजन रिशु आदि मौजूद रहे।

■ जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता महुआंव पाण्डेय का परिणाम

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

48 जिलों में निकाय चुनाव के लिए आरक्षण सूची जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। नगर विकास विभाग ने आज प्रदेश के 48 जनपदों के निकायों के वार्डों का आरक्षण जारी कर दिया। नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमृत अभिजात ने बताया आज 48 जनपदों के निकायों के वार्डों का आरक्षण जारी किया गया है। शेष जनपदों के निकायों के वार्डों का आरक्षण भी जल्द ही जारी कर दिया जायेगा। जिन जनपदों के निकायों के लिए वार्डों का आरक्षण जारी हुआ है, उनमें शाहजहांपुर, अमरोहा, अमेठी, अयोध्या, अलीगढ़, उन्नाव, एटा, औरैया, कानपुर देहात, कासगंज, कुशीनगर, कौशाम्बी, गाजियाबाद, गाजीपुर, गोण्डा, गौतमबुद्धनगर, चन्दौली, चित्रकूट, जालौन, जौनपुर, देवरिया, पीलीभीत, प्रतापगढ़, फिरोजाबाद, बदायूं, बरेली, बलरामपुर, बस्ती, बहराइच, बांदा, बागपत, बाराबंकी, भदोहीं, महाराजगंज, महोबा, रायबरेली, लखनऊ, लखीमपुरखीरी, वाराणसी, श्रावस्ती, संतकबीरनगर, संभल, सिद्धार्थनगर, सुल्तानपुर, सोनभद्र, हमीरपुर, हाथरस एवं हापुड़ शामिल हैं।

नगर निगम लखनऊआरक्षण सूची

अनारक्षित–लाल बहादुर शास्त्री प्रथम, मालवीय नगर, ऐशबाग, राम मोहन राय, खरिका प्रथम, लालकुआं, हजरतगंज रामतीर्थ, हिंद नगर, केसरी खेड़ा, गोमतीनगर, कन्हैया माधवपुर द्वितीय, न्यू हैदरगंज द्वितीय, महाकवि जयशंकर प्रसाद, चिनहट प्रथम, इस्माईलगंज प्रथम, रानी लक्ष्मीबाई, विद्यावती द्वितीय, मोती लाल नेहरू चंद्र भानु गुप्त नगर, कालिन कॉलेज निशातगंज, तिलक नगर कुंडरी रकाबगंज वार्ड, अयोध्यादास द्वितीय, चित्रगुप्त नगर, चिनहट द्वितीय, लाला लाजपत राय, बाबू जगजीवन राम, जे.सी. बोस, पेपरमिल कालोनी, शंकरपुरवा तृतीय, राजीव गांधी प्रथम, मैथिलीशरण गुप्त, लेबर कालोनी, मल्लाहीटोला द्वितीय, त्रिवेणीनगर, कदम रसूल, मल्लाहीटोला प्रथम, लोहिया नगर, गोलागंज, बशीरतगंज गनेशगंज, शीतलादेवी, राजेंद्र नगर, लाल बहादुर शास्त्री द्वितीय, यदुनाथ सान्याल नजरबाग, राजीव गांधी द्वितीय, मौ. कल्बे आबिद, यहियागंज नेताजी सुभाष चंद्र बोस, कश्मीरी मोहल्ला, चौक बाजार कालीजी, राजा बाजार, अलीगंज, अयोध्यादास प्रथम।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली पुलिस ने बीती देर शाम को कस्बे के भीटी मड़हा पुल के पास बने प0दीनदयाल चौक के पास से एक युवक को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।मामले में कोतवाली पुलिस ने युवक के खिलाफ केस दर्जकर चालान कर दिया। एसएसआई देवेंद्र नाथ राय के मुताबिक बीती देर शाम को मुखबिर की सूचना पर युवक को धर दबोचा। जिसकी पहचान श्रवनपाल पुत्र पन्नालाल निवासी काजीपुर गाडर के रूप में हुई।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

कृष्णा फल को डाइट में करें शामिल, मिलेंगे स्वास्थ्य से जुड़े कई फायदे

कृष्णा फल एक पौष्टिक फल है, जिसे भारत समेत दक्षिण अमेरिका, कैरिबियन, दक्षिण फ्लोरिडा, दक्षिण अफ्रीका और एशिया में उगाया जाता है। इस फल को वैज्ञानिक भाषा में पैसिफ्लोरा एडुलिस सिम्स के नाम से जाना जाता है। इस खट्टे–मीठे फल की बाहरी परत बैंगनी रंग की होती है, जबकि इसका गूदा पीले रंग का होता है। आइए जानते हैं कि कृष्णा फल को डाइट में शामिल करने से क्या–क्या फायदे मिल सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य को सुधारने में है सहायक

अगर आप रोजाना एक कृष्णा फल का सेवन करते हैं तो यह खून में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है। बता दें कि खराब कोलेस्ट्रॉल का अधिक स्तर कई हृदय रोग का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, यह फल धमनियों के जमाव से भी बचाता है और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में सहायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में है मददगार

विटामिन– ए, विटामिन– सी, मैग्नीशियम और पोटैशियम से भरपूर यह फल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में भी मदद कर सकता है। इसमें कैल्शियम, फाइबर, आयरन, कॉपर और फ्लेवोनोइड्स की अधिक मात्रा मौजूद होती है, जो इसे संक्रमण से लडने वाले ऊतकों और कोशिकाओं के उचित विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। इस वजह से कृष्णा फल को डाइट में शामिल करना अच्छा है।

एंग्जायटी का खतरा हो सकता है दूर

अगर कभी आप एंग्जायटी महसूस करते हैं तो कृष्णा फल का सेवन आपको इससे राहत दिलाने में मदद कर सकता है। मैग्नीशियम से भरपूर यह फल एंग्जायटी और तनाव जैसे मानसिक विकारों के जोखिम कम करने में काफी सहायक हो सकता है। यह रसदार फल गामा–एमिनोब्यूट्रिक एसिड (त्रक्च्र) नामक रसायन के स्तर को बढ़ाता है। यह रसायन मस्तिष्क की गतिविधि को कम करता है और एंग्जायटी समेत तनाव के लक्षणों को धीरे–धीरे कम करता है।

ब्लड शुगर के स्तर को कर सकता है नियंत्रित

कृष्णा फल ग्लाइसेमिक इंडेक्स में कम और हाई फाइबर से भरपूर होता है, जो इसे मधुमेह वाले लोगों के लिए आदर्श बनाता है। इसमें मौजूद फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह पेक्टिन नामक खास तत्व से भरपूर होता है, जो फाइबर की तरह कार्य करके आपकी कैलोरी खपत को बढ़ाए बिना आपके पेट को भरा हुआ महसूस करवाता है।

कैंसर का खतरा कर सकता है कम

कृष्णा फल में एंटी–ऑक्सिडेंट्स की अच्छी–खासी मात्रा मौजूद होती है, जो शरीर के मुक्त कणों से लडने में मदद कर सकती है। ये मुक्त कण शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, यह फल विटामिन– ए और फ्लेवोनॉयड्स से भी भरपूर होता है, जो कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

रेड आउटफिट में सांसद नुसरत जहां लगीं बेहद कातिलाना

बंगाली एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां राजनीतिक करियर के साथ साथ अपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं। चाहे राजनीतिक फैंस हो या उनकी बोल्डनेस के दीवाने हो, हर कोई उनकी हॉटनेस का दीवाना बना हुआ है। साथ ही उनकी दिलकश अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपा रही हैं। नुसरत

जहां सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस का जलवा बिखेरने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां रेड आउटफिट में बेहद ही क्लॉसी और ग्लैमरस लग रही हैं। नुसरत जहां जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटाते हैं। नुसरत जहां सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस नुसरत जहां के इंस्टाग्राम पर 2.8 मिलियन फॉलोवर्स हैं। फिल्म जगत से राजनीति में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस नुसरत जहां की ग्लैमरस तस्वीरें आपके दिलों की धड़कनें बढ़ा देंगी। नुसरत का जन्म 8 जनवरी 1990 को कोलकाता शहर में हुआ था। वो एक बंगाली मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नुसरत जहां का एक बच्चा भी हैं। लेकिन, उनकी फिटनेस और खूबसूरती को देखकर कोई इस बात का अंदाजा नहीं लगा सकता है। नुसरत जहां ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की।

थलाइवी के बाद कंगना रनौत के हाथ लगी एक और तमिल फिल्म, निभाएंगी चंद्रमुखी का किरदार

अभिनेत्री कंगना रनौत की तमिल फिल्म थलाइवी पिछले साल दर्शकों के बीच आई थी। यह फिल्म नहीं चल पाई, लेकिन उनके अभिनय को पसंद किया गया था। अब इस अभिनेत्री के खाते में एक और तमिल फिल्म जुड़ गई है। वह चंद्रमुखी के सीक्वल में मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इसमें वह पर्दे पर चंद्रमुखी का किरदार अदा करेंगी। बता दें कि ऑरिजनल फिल्म चंद्रमुखी 2005 में बड़े पर्दे पर आई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, कंगना चंद्रमुखी 2 में एक विश्व प्रसिद्ध डांसर की भूमिका में नजर आएंगी। उनका किरदार अपने डांस कौशल और सुंदरता के लिए जाना जाएगा। ऐसी चर्चा है कि अभिनेत्री ने यह फिल्म साइन कर ली है। तमिल अभिनेता राघव लॉरेंस कंगना के अपोजिट दिखने वाले हैं। ऑरिजनल फिल्म के निर्देशक पी वासु ही इसे निर्देशक करेंगे। इसका निर्माण लाइका फिल्म्स के बैनर तले किया जाएगा, जिसने हाल में पोन्नियन सेल्वन 1 को प्रोड्यूस किया था।

कॉस्ट्यूम डिजाइनर नीता लुल्ला ने चंद्रमुखी के अवतार का एक स्केच जारी किया है। उन्होंने कंगना के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता जताई है। उन्होंने कहा, यह फिल्म बहुत सुंदर बनने वाली है, लेकिन इसे बनाना चुनौतीपूर्ण काम होगा। मैं इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। एक अभिनेत्री के रूप में वह जो किरदार करती हैं, उसमें अपना सबकुछ झोक देती हैं। यही उनकी ताकत है।

इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, कंगना दिसंबर के पहले सप्ताह में फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू करेंगी। अभिनेत्री इमरजेंसी से एक छोटा सा ब्रेक लेकर इस प्रोजेक्ट के काम में जुटेंगी। चंद्रमुखी 2 का दूसरा शेड्यूल इमरजेंसी की शूटिंग खत्म होने के बाद जनवरी में शुरू होगा। बता दें कि इमरजेंसी देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है।

चंद्रमुखी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसमें रजनीकांत और ज्योतिका सरवनन ने दर्शकों का दिल जीता लिया था। नयनतारा भी फिल्म का हिस्सा थीं। इसे ढ्ढरूष्ठड्ड पर 7.2 रेटिंग दी गई है।

कंगना के खाते से कई फिल्में जुड़ी हैं। वह अलौकिक देसाई की फिल्म द इनकारनेशन सीता में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इसमें वह माता सीता का किरदार अदा करेंगी। इसे एक बड़े बजट में बनाया जा रहा है। वह अपनी आगामी फिल्म टीकू वेड्स शेरू पर भी काम कर रही हैं। वह अपनी फिल्म तेजस में भी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इसमें वह भारतीय वायु सेना की पायलट की भूमिका में दिखाई देंगी।

दमदमा झील पर बने पंजाबी सिंगर मीका सिंह के फार्महाउस को किया गया सील, जानिए क्यों की गई कार्रवाई?

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार यमुना नदीं के किनारे बनें

फार्महाउस पर बुल्डोजर चलवा रही हैं। प्राकृतिक संपदा की देखभाल और नदियों को गंदा होने से बचाने के लिए सरकार इस तरह के कदम उठा रही हैं। पिछले दिनों कई घटनाएं ऐसी सामने आई हैं जहां ऑफिसरों ने गैर कानूनी ठंग से बनीं इमारतों को तोड़ा हैं गया। इसी कड़ी में झील के किनारे बनें पंजाबी सिंगर मीका सिंह के फार्महाउस को भी सील कर दिया गया हैं। फार्महाउस ऐसी जगह था जहां पर नाव से सफर करके पहुंचा जा सकता था। ऐसे में नाव से सफर करके आये ऑफिसर्स से मीका सिंह का फार्महाउस सील किया हैं। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग (क्ज्ब्ब्) ने मंगलवार को सोहना में दमदमा झील के पास जलाशय क्षेत्र में लोकप्रिय पंजाबी गायक मीका सिंह के फार्महाउस सहित तीन फार्महाउस को सील कर दिया। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के एक अधिकारी ने कहा, "सोन्या घोष बनाम हरियाणा राज्य और अन्य में एनजीटी के आदेशों के अनुपालन में, मंगलवार को पुलिस बल की मदद से सोहना में दमदमा झील के पास जलाशय क्षेत्र में तीन अनधिकृत फार्महाउसों के खिलाफ एक विध्वंस–सह–सीलिंग अभियान चलाया गया। जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) अमित मधोलिया, सहायक नगर योजनाकार सुमित मलिक, सहायक नगर योजनाकार दिनेश सिंह और नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के दो अन्य अधिकारियों के नेतृत्व में एक टीम ने उनकी देखरेख में अभियान चलाया। अधिकारियों ने कहा कि नायब तहसीलदार सोहना को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था और सदर सोहना थाने का पुलिस बल मौजूद था।

सर्दी की इन 5 मौसमी सब्जियों से बनाया जा सकता है हलवा, आसान है रेसिपी

ताजी और हरी–भरी सब्जियों के बगैर सर्दियों का मौसम अधूरा है। इस मौसम में आने वाली सब्जियों में कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं और इम्युनिटी सिस्टम को मजबूत करते हैं। अभी तक आपने सर्दियों की इन सब्जियों को सब्जी के तौर पर ही खाया होगा, लेकिन क्या आपने कभी इनसे हलवा बनाकर खाया है। चलिए आज हम आपको सर्दी की पांच मौसमी सब्जियों से हलवा बनाने की रेसिपी बताते हैं।

चुकंदर का हलवाः चुकंदर का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर को छीलकर उसे कद्दूकस कर लें। अब एक पैन में घी गरम करके उसमें बादाम और काजू भून लें। इसके बाद कद्दूकस किए हुए चुकंदर को भी घी में भूनें और फिर दूध डालकर अच्छे से नरम होने तक पका लें। अब चीनी और खोया डालकर और पकाएं। थोड़ी देर बाद ऊपर से इलायची पाउडर और घी डालें और पांच मिनट तक पकने दें। अंत में मेवा डालकर इसे गरमागरम परोसें।

लौकी का हलवाः सर्दियों के मौसम में लौकी का हलवा जरूर खाना चाहिए। यह बेहद स्वादिष्ट और फायदेमंद होता है। सबसे पहले कढ़ाई में घी गरम करें और इसमें कद्दूकस की हुई लौकी डालकर पांच मिनट तक भूनें। अब दूध और चीनी डालें और लौकी को नरम होने तक पका लें। ऊपर से कद्दूकस किया हुआ खोया डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे बीच–बीच में चलाते रहें। पकने के बाद इसे फ्रिज में ठंडा होने के बाद परोसें।

गाजर का हलवाः सर्दी की सबसे लोकप्रिय सब्जियों में शामिल गाजर का हलवा सबको पसंद होता है। इसे बनाने के लिए गाजर को छीलकर कद्दूकस कर लें। अब एक पैन में घी गरम कर लें और इसमें गाजर डालकर 10 मिनट तक पकाएं। अब इसमें चीनी डालें और दो मिनट तक अच्छी तरह से मिलाते हुए पका लें। इसके बाद मेवा और इलायची पाउडर डालें और दोबारा मिलाकर थोड़ी देर तक पकने दें। अंत में बादाम से गार्निश करके इसे गरमागरम परोसें।

मटर का हलवाः इसे बनाने के लिए हरे मटर को भाप में पकाने के बाद इसका दरदरा पेस्ट बना लें। अब घी में बादाम और काजू भूनें और फिर इसमें हरे मटर का पेस्ट डालकर अच्छी तरह पका लें। इसके बाद इसमें चीनी, खोया और इलायची पाउडर डालें और अच्छे से मिला लें। अच्छे से पक जाने के बाद इसे मावे से गार्निश करके गरमागरस परोसें। हरे मटर से बना यह हलवा बहुत ही पौष्टिक होता है।

आलू का हलवाः उत्तर प्रदेश में आलू का हलवा काफी लोकप्रिय है और यह अक्सर नवरात्रि के दौरान बनाया जाता है। सबसे पहले आलू को उबालकर मैश कर लें। अब पैन में घी गरम करके मैश किए हुए आलू को भून लें। इसमें दूध, चीनी और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच–बीच में इस मिश्रण को चलाते हुए 10 मिनट तक पका लें। ऊपर से इलायची पाउडर डालकर पांच मिनट तक और पकाएं। अब बादाम और काजू से गार्निज करके गरमागरम परोसें।